चैत्र शुक्ल पक्ष- 7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 258 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
25 मार्च 2026 बुधवार

आज का मौसम
32.3 अधिकतम
18.1 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भीड़भाड़ वाले इलाके में सुरक्षा और सुविधा पर खास ध्यान

जमीन के 24 मीटर नीचे दौड़ेगी मेट्रो, नादरा स्टेशन होगा सबसे खास, निचली मंजिल पर मिलेगी ट्रेन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में मेट्रो के दूसरे चरण का काम अब धरातल के साथ-साथ जमीन के नीचे भी रफ्तार पकड़ने को तैयार है। जहां एक तरफ टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के दो पार्ट जमीन के 24 मीटर नीचे उतर चुके हैं, वहीं भूमिगत स्टेशनों के निर्माण का काम भी तेजी पकड़ रहा है। भूमिगत प्रणाली में दो स्टेशन बनाए जाने हैं, जिसमें नादरा मेट्रो स्टेशन अनूठा होगा। इसकी दो मंजिलें जमीन के नीचे होंगी और सबसे निचली मंजिल पर ट्रेन मिलेगी।

मेट्रो प्रबंधन के मुताबिक भूमिगत मेट्रो की दोहरी सुरंग 3.9 किलोमीटर लंबी होगी। इस पर दो स्टेशन बनने हैं, पहला भोपाल रेलवे मेट्रो स्टेशन और दूसरा नादरा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन। नादरा मेट्रो स्टेशन को तीन स्तर का बनाया जा रहा है। इसको ऐसा डिजाइन किया गया है कि बाहर से आने वाले लोग बस स्टैंड पर उतरने के बाद पैदल ही आसानी से मेट्रो स्टेशन तक पहुंच पाएं। इससे उन्हें मेट्रो तक पहुंचने के लिए परेशान भी नहीं होना पड़ेगा। नादरा स्टेशन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि बस स्टैंड और मेट्रो के बीच इंटरचेंज करने वाले यात्रियों को कम से कम पैदल चलना पड़े। अंडर ग्राउंड मेट्रो स्टेशन के ऊपर के लेवल का काम शुरू हो चुका है।

स्ट्रीट लेवल

यह स्टेशन का सबसे ऊपरी हिस्सा है जो शहर की मुख्य सड़क से जुड़ा होगा। यहां यात्रियों के प्रवेश और निकास के लिए आधुनिक गेट, लिफ्ट और एस्केलेटर की व्यवस्था रहेगी। जो बस स्टैंड से आने वाले यात्रियों को सीधा मेट्रो तक पहुंचने में मदद करेगी।

कॉनकोर्स लेवल

सड़क से नीचे उतरते ही यात्री कॉनकोर्स लेवल पर पहुंचेंगे। यहां टिकट काउंटर, सुरक्षा जांच मशीनें और अन्य बुनियादी सुविधाएं मौजूद रहेंगी। डिजाइन से पता चलता है कि इस हिस्से को काफी विस्तृत रखा गया है, ताकि भीड़भाड़ के समय यात्रियों को असुविधा न हो।

प्लेटफॉर्म लेवल

यह सबसे गहरा स्तर है, जहां मेट्रो ट्रेनें रुकेंगी। यहां दो समानांतर टनल के मुहाने देखे जा सकते हैं, जो नादरा को भोपाल रेलवे स्टेशन से जोड़ेंगे।

600 वर्ग मीटर में बने गड्ढे में उतारीं 103 मीटर लंबी मशीनें

यहां चट्टानें, रोज 7 मीटर खुदाई इस रूट पर ग्रेड-2 से ग्रेड-4 तक की चट्टानें पाई गई हैं। इनमें अधिक दरारें होने के कारण चुनौती अधिक है। ऐसी परिस्थितियों में खुदाई की गति प्रतिदिन 5 से 7 मीटर रहने का अनुमान है। सुरक्षा के लिए भारी सपोर्ट सिस्टम लगाए गए हैं। वाइब्रेशन मॉनिटरिंग से सुरक्षा पर नजर निर्माण के दौरान आसपास की इमारतों की सुरक्षा के लिए वाइब्रेशन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया जाएगा। टनल और स्टेशन के आसपास के भवनों पर सेंसर लगाए जाएंगे, जो कंपन को रियल टाइम में रिकॉर्ड करेंगे। कंपन अधिक हुआ तो काम रोका जाएगा। बता दें शहर में पहली बार टनल बोरिंग मशीन से खुदाई, इंजीनियरिंग के नए युग की शुरुआत है। एक ही कॉरिडोर में ग्रेड-2 से 4 तक की चट्टान मिलना डिजाइन सिस्टम को जटिल बनाता है। 265 मीटर और 143 मीटर की ढाल से ट्रेन के सुरक्षित प्रवेश-निकास के लिए सटीक डिजाइन जरूरी है।

नई कलेक्टर गाइडलाइन है तैयार

तीन साल में घर का सपना हुआ तीन गुना तक महंगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में नई कलेक्टर गाइडलाइन लगभग फाइनल है। 740 से ज्यादा कॉलोनियों में रेट बढ़ाने का प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजा गया है। 26 मार्च को चर्चा के बाद एक अप्रैल से नई दरें लागू होंगी।

यानी आम लोगों को अब बढ़ी कीमत पर रजिस्ट्री करानी पड़ेगी। यह तब है, जब सरकार विधानसभा में कह चुकी है कि कोई नया टैक्स या बढ़ोतरी नहीं होगी। इसके बावजूद पंजीयन विभाग ने गाइडलाइन रेट बढ़ाकर राजस्व बढ़ाने की तैयारी कर ली है। इस बार औसतन 12त्र बढ़ोतरी बताई जा रही है। विश्लेषण कहता है कि 2015 से 2018 तक शहर की अधिकांश लोकेशनों पर दाम स्थिर थे। चार साल में औसत बढ़ोतरी महज 9 फीसदी थी। अब, बिना किसी मास्टर प्लान या नए निवेश क्षेत्र के विस्तार के, औसतन 12 फीसदी की बढ़ोतरी थोपी जा रही है। बाहरी इलाकों में 3 साल में जमीन की कीमतें 200 से 300 फीसदी तक उछल चुकी हैं। साल 2019 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद कलेक्टर गाइडलाइन में प्रॉपर्टी रेट सीधे 20 फीसदी घटा दिए गए थे। तत्कालीन सीएम कमल नाथ के इस फैसले से बाजार में अचानक गिरावट आई। उस समय पंजीयन विभाग के आईजी अमित राठौर थे, जो वर्तमान में वाणिज्यकर विभाग के प्रमुख सचिव हैं। इसके तुरंत बाद कोरोना शुरू हो गया। 2020 से 2022 तक बाजार सुस्त रहा व ज्यादातर इलाकों में रेट स्थिर रहे। ऐसे में 20 फीसदी कटौती का पूरा लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच सका।

बता दें साल 2020-2022 तक रेट लगभग स्थिर रहे, लेकिन 2023 के बाद बाजार में तेज उछाल आया। खासकर शहर के बाहरी और विकसित हो रहे इलाकों में कीमतें कई गुना तक बढ़ीं। कोलार मुख्य मार्ग पर 2023 की गिरावट के बाद तेजी आई और 2026 तक 45.83 फीसदी वृद्धि दर्ज हुई, जबकि कोलार दामखेड़ा में यह बढ़ोतरी 188.46 फीसदी तक पहुंच गई। बावड़ियाकला में भी 94 फीसदी से 161 फीसदी तक उछाल देखा गया। 3 साल में सबसे ज्यादा बढ़त नीलबड़ की अन्य कॉलोनियों में रही, जहां रेट 4,000 से 300 फीसदी बढ़कर 16 हजार रु. प्रति वर्गफीट हो गए।

रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव

कलेक्टर बोले- धूमधाम से मनेंगे त्यौहार आवश्यक वस्तुओं की कमी नहीं

रोशन नेमा. भोपाल

इस वर्ष रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव पूरे उत्साह, भक्ति और भव्यता के साथ मनाए जाएंगे। शहर में जगह-जगह विशाल भंडारों और धार्मिक आयोजनों की तैयारियां जोरों पर हैं, जिससे श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। इसी बीच कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों को महत्वपूर्ण जानकारी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर में डीजल, पेट्रोल एवं घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है। कलेक्टर ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराहट में आकर अनावश्यक खरीदारी न करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रशासन स्थिति पर पूरी तरह नजर बनाए हुए है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। प्रशासन द्वारा त्योहारों को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

राजधानी में नवरात्रि का उल्लास... काली मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

भोपाल। शहर में नवरात्रि का पर्व पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। शहर के प्रमुख काली मंदिर में माता रानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं, जहां हर कोई मां दुर्गा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उत्साहित नजर आ रहा है। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर मंदिर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। महिलाओं की मंडलियों द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भक्ति गीतों और नृत्य के साथ वातावरण को और भी भावपूर्ण बना दिया गया है। ढोलक और झांझ की धुन पर झूमती महिलाएं और गूंजते जयकारे पूरे क्षेत्र को भक्तिरस में सराबोर कर रहे हैं। मंदिर के आसपास पूजा-पाठ से जुड़ी दुकानों पर भी भारी भीड़ देखने को मिल रही है। श्रद्धालु नारियल, फूल-माला, चुनरी और प्रसाद की खरीदारी कर माता रानी को अर्पित कर रहे हैं। दुकानदारों के चेहरे पर भी रौनक साफ दिखाई दे रही है, क्योंकि नवरात्रि के चलते उनका कारोबार भी बढ़ गया है। प्रशासन द्वारा भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि सभी भक्त सुरक्षित और सुगमता से दर्शन कर सकें।

कॉलेज की पढ़ाई 'साधना' है, जो तय करती है भविष्य और लक्ष्य - सिद्धभाऊ

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल 'आशीर्वाद समारोह' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। संस्था के मार्गदर्शक सिद्ध भाऊजी ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कॉलेज की पढ़ाई एक साधना की तरह है, जो आपका भविष्य और लक्ष्य निर्धारित करती है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य केवल उसी विद्यार्थी के जीवन में सफल होता है, जिसे अपने माता-पिता की कुर्बानियों की कद्र होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को सही विकल्प चुनने और कड़ी मेहनत कर मेरिट में आने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के महासचिव कन्हैयालाल रामनानी ने विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने और नगर का नाम रोशन करने का आशीर्वाद दिया।

आंगनबाड़ी केंद्रों में 'विद्यारंभ' सेरेमनी

संतनगर। आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्यारंभ योजना में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तीन से पांच साल की आयु पूरी कर चुके बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने पर विद्यारंभ योजना के प्रमाण पत्र वितरित किए गए, ताकि वे आगामी सत्र में सुगमता से स्कूलों में प्रवेश ले सकें। कार्यक्रम में अभिभावक और उनके दादा-दादी भी उपस्थित हुए। इस अवसर पर नन्हे बच्चों ने सुंदर कविताएं सुनाईं, जिसके लिए उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। साथ ही बच्चों द्वारा बनाए गए खिलौनों की एक आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में भाजपा नेता महेश खटवानी, परियोजना सुपरवाइजर लीना थानथराते, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कला रजक, ज्योति कनौजिया, ममता शर्मा और बिंदिया मेवाड़ा आदि उपस्थित रहीं।

विद्यार्थियों के अभिभावकों से संवाद

संतनगर. मिठी स्कूल में कक्षा पहली के नए विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था के अध्यक्ष सिद्ध भाऊजी ने कहा कि बच्चों को केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार देना भी अनिवार्य है। उन्होंने अभिभावकों से विद्यालय के साथ सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। प्राचार्य एएन मणिकंडन ने अभिभावकों के विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया, वहीं प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी ने भी अपने विचार रखे। उपप्राचार्या दिव्या कृपलानी ने विद्यालय की विश्वस्तरीय सुविधाओं और नियमों की जानकारी दी, जबकि कोऑर्डिनेटर मिनी नायर ने पर्यावरण संरक्षण और पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने का संदेश दिया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली तीन महिला कर्मचारी को सम्मान

भोपाल। पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय एवं भोपाल सहित तीनों मंडलों में अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। रेल सौरभ ऑफिसर क्लब में आयोजित समारोह में महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा अर्चना खत्री ने सभी महिलाओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। संगठन सचिव रेनू गौतम ने महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में सशक्त बनकर उत्कृष्ट कार्य करने प्रेरित किया। सम्मानित होने वाली कर्मियों में नीलम वर्मा, दमयंती बाई, शशि प्रभा चौबे, शिखा दास, खुशबु, रूचि सिंह, निशिता कुमारी, स्वाति परौहा, रंजना मरावी, बहमनी तिर्की, सुधा शर्मा, मोहिनी बाई, श्वेता चौहान, साधना जोशी एवं संध्या पटेल शामिल है। इस मौके पर समिति की कोषाध्यक्ष शाहवार हाशमी एवं सहसचिव सारिका गुप्ता, माधवी विजय कुमार, नीरू कुमार, उषा मोहकर आदि उपस्थित रही।

भोपाल होकर चलेगी एलटीटी-समस्तीपुर ट्रेन

भोपाल। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चला रही है। इस क्रम में एलटीटी-समस्तीपुर वीकली एसी समर स्पेशल ट्रेन इटारसी होकर चलेगी। ट्रेन 01043 एलटीटी से 21 अप्रैल से 14 जुलाई तक प्रत्येक मंगलवार को दोपहर 12.15 बजे प्रस्थान कर इटारसी रात 23.45 बजे होकर बुधवार रात्रि 23.45 बजे समस्तीपुर जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में 01044 समस्तीपुर से 23 अप्रैल से 16 जुलाई तक प्रत्येक गुरुवार को 03.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन इटारसी 02 बजे होकर शुक्रवार सायं 16.25 बजे एलटीटी पहुंचेगी।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक हुई

नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए अप्रैल में शुरू होगा समर कैंप

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर स्टेडियम स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की। बैठक में सारंग ने निर्देश दिए कि नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के उद्देश्य से अप्रैल से विभिन्न खेलों का समर कैंप आयोजित होगा, इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी जाएं। बैठक में विभागीय गतिविधियों और आगामी कार्य योजनाओं पर चर्चा की गई।

मंत्री सारंग ने अप्रैल में होने वाले समर कैंप की तैयारियों पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि इसका आयोजन पुख्ता किया जाए, जिससे अधिक से अधिक नए बच्चे खेल मैदान तक पहुंचें और उनकी प्रतिभा को प्रारंभिक स्तर से ही पहचानकर उन्हें उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में निखारा जा सके। उन्होंने ने कहा कि खेल अधोसंरचना के विकास को गति देने के उद्देश्य से विभाग का स्वयं का सिविल विंग स्थापित करने की दिशा में ठोस कार्य योजना के साथ एक प्रस्ताव तैयार करें। उक्त प्रस्ताव को आगे की प्रक्रिया के लिए विभाग से सरकार के पास भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे निर्माण कार्यों में तेजी आएगी और खेल परिसरों के रख-रखाव को भी अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया जा सकेगा।

मेट्रो एंकर

राष्ट्रचेता स्व. गुरूदत्त स्मृति दो दिवसीय साहित्य समारोह का समापन

गुरूदत्त केवल साहित्यकार नहीं, बल्कि राष्ट्रचिंतक थे : मिश्र

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्व. गुरूदत्त स्मृति दो दिवसीय साहित्य समारोह का समापन मंगलवार को हुआ। इस अवसर पर हिन्दू विद्या केंद्र के निदेशक रामेश्वर मिश्र ने कहा कि राष्ट्रचेता स्व. गुरूदत्त सांगोपांग लेखक और सर्वांगपूर्ण सर्जक थे। उनके साहित्य में राष्ट्र की समस्याओं का गंभीर और व्यापक वर्णन मिलता है। उन्होंने कहा कि गुरूदत्त केवल साहित्यकार नहीं, बल्कि राष्ट्रचिंतक थे, जिनकी रचनाओं में धर्म, अध्यात्म और राष्ट्रीय जीवन की जटिलताओं का समन्वित चित्रण मिलता है। इस अवसर पर साहित्यकार मनमोहन प्रकाश और वाणी जोशी मंचासीन रहे। समकालीन महत्व और विपुल लेखन- रामेश्वर मिश्र 'पंकज' ने गुरूदत्त को सुमित्रानंदन पंत, जयशंकर प्रसाद और महादेवी वर्मा जैसे साहित्यकारों का समकालीन बताते हुए कहा कि उन्होंने लगभग 45 वर्ष की आयु में ही करीब 200 पुस्तकों की रचना की। इन कृतियों में धर्म और अध्यात्म के साथ-साथ राष्ट्र की समस्याओं का गहन विश्लेषण मिलता है। उन्होंने बताया कि पेशे से वैद्य होने के बावजूद गुरूदत्त ने धर्मशास्त्र पर महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे। ब्रह्मसूत्र पर उनकी दो पुस्तकों में सूक्ष्म तत्वों की विस्तृत व्याख्या की गई है। वहीं वेदांत, उपनिषद और यजुर्वेद पर आधारित कृतियों में गृहस्थ धर्म का सारगर्भित विवरण मिलता है। गुरूदत्त ने निर्भीक, धर्मनिष्ठ और सदाचारी जीवन जीते हुए पौराणिक शैली में भारतवर्ष का संक्षिप्त इतिहास भी प्रस्तुत किया। उनकी प्रमुख कृतियों में स्वाधीनता के पथ, पथिक, विश्वासघात, देश की हत्या और नमस्ते सदा वत्सले को विशेष रूप से पठनीय बताया। चिकित्सक एवं साहित्यकार डॉ. संजय सक्सेना ने बताया कि वे नौवीं कक्षा से ही गुरूदत्त के संपर्क में थे और पत्राचार के माध्यम से संवाद करते रहे। उनके द्वारा भेजे गए कई अंतरदेशीय पत्र आज भी सुरक्षित हैं। उन्होंने गुरूदत्त की पुस्तकों- जमाना बदल गया है, दो लहरों की टक्कर, लुढ़कते पत्थर और संभवामि युगे-युगे का उल्लेख करते हुए कहा कि दो लहरों की टक्कर में बौद्ध और सनातन परंपराओं को अत्यंत रोचक शैली में प्रस्तुत किया गया है। समारोह का समापन सत्र साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष उमेश कुमार सिंह के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

चैत्र शुक्ल पक्ष- 7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 258 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
25 मार्च 2026 बुधवार

आज का मौसम
32.3 अधिकतम
18.1 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

जंग के बीच सुलह की कूटनीति ... पाकिस्तान की दुविधा या अमेरिका की मजबूरी ?

मध्य-पूर्व में जारी तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा घोषित एकतरफा पांच दिनी युद्ध विराम ने हालात को शांत करने के बजाय और जटिल बना दिया है। पाकिस्तान को पंच की भूमिका में मंजूर करना ट्रम्प की मानसिक दशा को बयां कर रहा है। इस युद्ध विराम को इज़राइल ने सिरे से खारिज करके दक्षिण लेबनान में अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी हैं। संकेत साफ हैं कि नेतन्याहू 'ग्रेटर इज़राइल' की रणनीतिक सोच को जमीन पर उतारने में जुटे हुए हैं। सुलह की वार्ता में शाहबाज़ शरीफ अपने मित्र देश तुर्किए और मिस्र के साथ शामिल तो हुए हैं लेकिन सऊदी अरब को लेकर पाकिस्तान फंसा हुआ है। सऊदी ने पाकिस्तान से ईरान के खिलाफ जंग में शामिल होने का जो दबाव डाला है, उसने शरीफ और मुनीर के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है।

वॉर एनालिसिस

राजेश सिरोठिया

पहले बात ट्रम्प की। पाक को पांच बनने के लिए ट्रम्प की सहमति वास्तव में अमेरिका की कमजोरी से ज्यादा उसकी रणनीतिक थकान को दर्शाती है। लंबे खिंचते संघर्ष, आर्थिक दबाव और घरेलू राजनीतिक चुनौतियों के बीच ट्रम्प प्रशासन एक 'एग्जिट रूट' तलाशता दिख रहा है। ऐसे में पाकिस्तान का यह प्रस्ताव उसे एक कूटनीतिक रास्ता देता है, भले ही यह रास्ता जोखिमों से भरा हो।

दूसरा पहलू अरब का। सऊदी अरब ने पाकिस्तान को हालिया रक्षा समझौते की याद दिलाकर स्थिति को और उलझा दिया है। इसके मुताबिक उनमे से किसी एक देश पर हमला दोनों पर हमला माना जाएगा। सऊदी अरब का यह संदेश साफ है। यदि ईरान से टकराव बढ़ता है, तो पाकिस्तान को उसके साथ खड़ा होना होगा। यहीं पाकिस्तान की 'डबल गेम' वाली रणनीति उसकी सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। एक तरफ वह ईरान और अमेरिका के बीच शांति दूत बनने की कोशिश कर रहा है, दूसरी ओर सऊदी अरब का दबाव उसे एक सैन्य साझेदार की भूमिका में धकेल रहा है। यह स्थिति 'दो नावों पर सवार' होने जैसी है। जहां संतुलन बिगड़ा, तो गिरना तय है। पाक के सामने विकल्प सीमित है।

रणनीतिक रूप से देखें तो उसके पास गिने-चुने विकल्प हैं -

पहला- वह पूरी तरह सऊदी खेमे में जाकर ईरान के खिलाफ खड़ा हो।

दूसरा- वह तटस्थ रहकर मध्यस्थता पर फोकस करे। और तीसरा, वह संतुलन साधने की कोशिश करे। यही सबसे कठिन और जोखिम भरा रास्ता है। यानि 'बहुत कठिन है कठिन है डगर पनघट' वाली हालात है।

तीसरा - इस पूरे परिदृश्य में सबसे दिलचस्प बदलाव यही है कि क्षेत्रीय शक्तियाँ अब सिर्फ युद्ध नहीं, बल्कि 'पोस्ट-वॉर ऑर्डर' की तैयारी में जुटने को विवश हैं। इज़राइल का लेबनान में विस्तार, अमेरिका की कूटनीतिक लचक और पाकिस्तान की मध्यस्थता। ये सभी संकेत हैं कि आने वाला समय सिर्फ सैन्य नहीं, बल्कि कूटनीतिक पुनर्संरचना का भी होगा।

चौथा- इज़राइल इस पूरी जंग के धुरी यूएसए के साथ इज़राइल पर भी टिकी है, लेकिन भारत में इज़राइल के राजदूत रूविन अजार ने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान, मिस्र या तुर्किए की भूमिका क्या होगी, यह तो अमेरिका ही जाने। लेकिन भारत ही ऐसा देश है जो मध्यस्थता कराने में सक्षम है, क्योंकि पश्चिमी एशिया में उसका बड़ा स्टेक है जो दांव पर है। इसके साथ ही रुविन अजार ने यह संकेत देकर इस तथाकथित सुलह वार्ता पर पानी फेर दिया है कि अगले सात दिन के ईरान के लिए विनाशकारी साबित होंगे। अंततः यह सवाल बना रहेगा कि पाकिस्तान इस जटिल शतरंज में सुलह का हीरो बनकर उभरेगा या खुद एक 'मोहरा' बनकर रह जाएगा?

अमेरिकी सीजफायर से कुछ नहीं बदला... दोनों तरफ से लगातार दागी जा रही मिसाइलें

इजरायली राजदूत बोले - जंग खत्म कराने में बड़ा रोल निभा सकता है भारत

नईदिल्ली. एजेंसी

नई दिल्ली में इजरायल के राजदूत रुविन अजार ने कहा है कि वेस्ट एशिया में भारत का बड़ा स्टेक है इसलिए ईरान जंग को खत्म कराने में भारत की भूमिका काफी अहम हो सकती है। इस मामले में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की बतौर मध्यस्थ की भूमिका पर भी रुविन ने कहा कि इन देशों की भूमिका का फैसला अमेरिका ही करेगा। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी हुए कहा कि यह हफ्ता ईरान के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है। इस बीच न्यूज एजेंसी 'रॉयटर्स' ने खबर दी है कि अमेरिका मिडिल ईस्ट में बड़ी तादाद में जवानों को भेजने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में ईरान में जमीनी हमले की संभावना बढ़ गई है।

रुविन अजार ने एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि कूटनीति की तरफ हम जा सकते हैं और भारत की भूमिका का स्वागत करते हैं। पश्चिम एशिया में बहुत भारतीय रहते हैं। भारत एक इकनॉमिक पावर है और भारत पश्चिम एशिया में सहयोग के बहुत सारे प्रोजेक्ट का ऑफर दे सकता है। ये युद्ध जल्द खत्म हो, ये हम उम्मीद करते हैं। बातचीत जारी है ये सुनकर हमें खुशी हुई। दबाव की वजह से ईरान बातचीत के लिए तैयार हुआ है। हमें नहीं पता कि ये बातचीत सफल होगी कि नहीं, पर ईरान से हमें होने वाले परमाणु खतरे को हम खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा- ईरान की धरती पर यूरेनियम का भण्डार नहीं होना चाहिए। ईरान पर विश्वास नहीं किया जा सकता। रुविन अजार ने बताया कि इजरायल, अमेरिका के साथ पूरी तरह से तालमेल में है। हमारे साझा हित और साझा मकसद हैं। हमारे तीन लक्ष्य हैं - न्यूक्लियर और मिलिट्री प्रोग्राम को खत्म करना, बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करना और ईरान के लोगों को अपने भविष्य और मौजूदा सत्ता के खिलाफ एक मौका देना। जब तक सत्ता परिवर्तन नहीं होता या हम मिलिट्री से मकसद पूरा नहीं करते तब तक हम ऐसा करते रहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी इजरायल के पीएम को अपडेट किया है। मिलिट्री ऑपरेशन को लेकर भी अमेरिका और इजरायल में तालमेल है।

सत्ता बदलने तक चलेगा ऑपरेशन ईरान के लिए यह हफ्ता विनाशकारी

कुवैत के एयरपोर्ट पर ड्रोन अटैक से लगी आग

बीती देर रात ईरान ने कुवैत के इंटरनेशनल एयरपोर्ट ड्रोन अटैक किया, जिससे वहां मौजूद फ्यूल टैंक में आग लग गई। कुवैत की सेना ने जवाबी कार्रवाई की है। सेना ने लोगों से अपील की है कि वे सरकार के सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। इससे पहले कुवैत के नेशनल गार्ड ने बताया कि उसने अपने इलाके में 5 ड्रोन मार गिराए हैं। वहीं, इराक के एक उग्रवादी समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक ने कहा है कि उसने पिछले 24 घंटे में अमेरिका से जुड़े 23 ठिकानों पर हमले किए हैं।

ईरान ने फिर रखीं सुलह की शर्तें

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के प्रस्ताव के जवाब के तौर पर ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को बंद करने, सभी प्रतिबंधों को समाप्त करने, हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायली अभियान को रोकने और एक ऐसे ढांचे की मांग की है,

जिसके तहत उसे होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने की अनुमति मिल सके। साथ ही सुरक्षा की गारंटी, 60 प्रतिशत अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार को समायोजित करने पर होने वाली चर्चाओं में भागीदारी और पूरे पश्चिम एशिया में प्रॉक्सी ताकतों को दी जाने वाली फंडिंग को रोकने पर सहमति की मांग की गई है।

होर्मुज में पाक का जहाज रोका

ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने पाकिस्तान के कराची जा रहे एक जहाज को होर्मुज स्ट्रेट पार करने से रोक दिया। नेवी कमांडर अलीरेजा तंगसीरी ने कहा कि 'सेलेन' नाम के इस जहाज के पास होर्मुज पार करने इजाजत नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस रास्ते से गुजरने वाले हर जहाज को पहले ईरानी अधिकारियों से इजाजत लेनी होगी। यह सारा मामला तब हुआ है जब पाकिस्तान इस जंग में मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है।

इधर, मोदी सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आज एक सर्वदलीय बैठक कर रही है, जिसमें वह नेताओं को पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बारे में जानकारी देगी। यह कदम भारत पर इस संकट के आर्थिक और सुरक्षा संबंधी प्रभावों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया जा रहा है। संसद परिसर के भीतर शाम 5 बजे होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। उम्मीद है कि वे पार्टी नेताओं को ताजा घटनाक्रमों और भारत के कूटनीतिक रुख के बारे में जानकारी देंगे। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद के दोनों सदनों में दिए गए बयानों के बाद की गई है, जिसमें उन्होंने इस स्थिति को 'अभूतपूर्व संकट' बताया था।

न्यूज विंडो

सोनिया गांधी की तबीयत फिर बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और यूपीए की चेयरपर्सन रह चुकीं सोनिया गांधी की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक डॉक्टरों की टीम उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। जानकारी के मुताबिक चेस्ट की समस्या की वजह से सोनिया गांधी को सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डॉक्टर अनूप बासु की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। वहीं सोनिया गांधी के साथ प्रियंका गांधी और राहुल गांधी भी अस्पताल में मौजूद हैं। डॉक्टर्स के अनुसार सोनिया गांधी की स्थिति अभी ठीक है। उन्हें डॉक्टरों की टीम की निगरानी में रखा गया है।

लॉरेंस गैंग के हैरी बॉक्सर के लिए काम करने वाला गिरफ्तार

इंदौर। तुकोगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले बिल्डर संजय जैन को पिछले दिनों लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के नाम पर धमकी मिली थी। बिल्डर को फोन आया था, जिसमें फोन लगाने वाले व्यक्ति द्वारा 15 करोड़ रुपए की डिमांड की गई थी और नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। इस घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए इंदौर पुलिस ने जांच शुरू की तो लॉरेंस गैंग के हैरी बॉक्सर के लिए काम करने वाले मनीष जागिड़ का नाम सामने आया। जांच के आधार पर इंदौर पुलिस अशोक नगर जेल में बंद मनीष जागिड़ को प्रोडक्शन वारंट पर इंदौर लाई है।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आर्म्स ट्रैफिकिंग मॉड्यूल का पर्दाफाश

पाक-नेपाल से विदेशी हथियारों की तस्करी, 10 गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। क्राइम ब्रांच ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय आर्म्स ट्रैफिकिंग मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए 10 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन पास से सब-मशीन गन सहित 21 विदेशी अत्याधुनिक हथियार बरामद हुए हैं। जांच में सामने आया है कि यह पूरा नेटवर्क पुरानी दिल्ली से ऑपरेट हो रहा था और इसके तार पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश तक जुड़े हुए थे। क्राइम ब्रांच ने 21 विदेशी हथियार

बरामद किए। जिनमें सब-मशीन गन, पीएक्स-5.7 पिस्तौल, पीएक्स-3 पिस्तौल, शैडो पिस्तौल, बेरेटा पिस्तौल, टॉरस पिस्तौल और वाल्थर पिस्तौल शामिल हैं। पीएक्स-5.7 पिस्तौल का बरामद होना चिंता का विषय है, क्योंकि इस पिस्तौल का इस्तेमाल विशेष रूप से स्पेशल फोर्सेज द्वारा किया जाता है। इस मॉड्यूल को दिल्ली के वॉल सिटी इलाके से ऑपरेट किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इन हथियारों को पाकिस्तान से भारत में तस्करी कर लाया जा रहा था। ये हथियार पाकिस्तान के जरिए नेपाल बॉर्डर होते हुए आते थे। इन हथियारों को दिल्ली-एनसीआर और देश के अन्य राज्यों में सक्रिय आपराधिक गिरोहों को आपूर्ति की जा रही थी।

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस के अवसर पर आज मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं।

भोपाल में ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराई कार, 3 की मौत

भोपाल। राजधानी भोपाल में एसयूवी कार और ट्रैक्टर की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना देर रात बैरसिया रोड पर निपानिया जाट के पास हुई। एक अधिकारी ने बताया कि भोपाल से बैरसिया की ओर तेज रफ्तार से जा रही एसयूवी और विपरीत दिशा से आ रही अनाज से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने-सामने टक्कर हो गई। मृतकों की पहचान हर्ष मेहरा (23), सतीश मेहरा (22) और लकी कुशवाहा के रूप में हुई है।

रेप केस में फरार चल रहे पंजाब के आप विधायक हरमीत सिंह ग्वालियर से गिरफ्तार

पटियाला. एजेंसी

लंबे समय से फरार चल रहे सनौर विधानसभा क्षेत्र के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा आखिरकार को मध्य प्रदेश के ग्वालियर के पास से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस गिरफ्तारी की पुष्टि पटियाला के एसएसपी वरुण शर्मा ने की है। विधायक पठानमाजरा के खिलाफ पटियाला के सिविल लाइन थाने में एक महिला की शिकायत के आधार पर शारीरिक शोषण के गंभीर आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद से ही पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। पुलिस ने पहले हरियाणा के एक गांव में छापेमारी की थी, लेकिन वे वहां से बच निकलने में कामयाब रहे थे। फरारी के दौरान पठानमाजरा ने इंटरनेट मीडिया पर लगातार वीडियो पोस्ट किए ताकि ऐसा लगे कि वे विदेश में हैं। हालांकि, पुलिस की तकनीकी जांच और गुप्त सूचनाओं ने उनकी लोकेशन मध्य प्रदेश में ट्रेस कर ली। एसएसपी वरुण शर्मा के अनुसार, पटियाला पुलिस की विशेष टीम ने पीछा करते हुए ग्वालियर इलाके से उन्हें काबू किया।

जन्मदिन पर वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व पहुंचे सीएम

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने जन्मदिन पर आज वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व पहुंचे। यहां उन्होंने बामनेर नदी में 13 कछुए छोड़े। इसके अलावा टाइगर रिजर्व में चीतों के पुनर्वास के लिए बनाए जा रहे सॉफ्ट रिलीज बाड़े का भूमिपूजन भी किया।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व क्षेत्रफल में प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। दमोह सागर

बामनेर नदी में छोड़े कछुए

और नरसिंहपुर जिले के 72 गांवों को जोड़ते हुए कुल क्षेत्रफल 2339 वर्ग किलोमीटर में फैला है। प्रदेश का यह 7वां और भारत का 54वां टाइगर रिजर्व है। वर्ष 2023 में इसे टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। इस क्षेत्र को मुख्य रूप से भेड़ियों की भूमि माना जाता है, टाइगर रिजर्व में चीतों के लिए अनुकूल भूमि उपलब्ध है।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

ममता ने चुनावी सभा में कहा था, बीजेपी सत्ता में आई तो बाजार में मछली और मांस नहीं बिकेगा

बंगाल चुनाव में फिश पॉलिटिक्स... नेताओं में 'मछली प्रेमी' दिखने की होड़

कोलकाता. एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार में फिश यानी मछली के साथ नए मुद्दे की एंट्री हो चुकी है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से बीजेपी को बाहरी यानी गैर बंगालियों की पार्टी बताए जाने के बाद भगवा पार्टी के कैंडिडेट मछली के साथ कैंपेनिंग कर रहे हैं। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य, दक्षिण कोलकाता की रासबिहारी सीट से उम्मीदवार स्वप्न दासगुप्ता और शिवपुर के कैंडिडेट एक्टर रुद्रनील घोष लंच के दौरान ऑन स्क्रीन मछली खाते नजर आए।

कोलकाता के बिधाननगर में बीजेपी कैंडिडेट शरदवत मुखोपाध्याय तो एक बहुत बड़ी मछली लेकर कैंपेन करने निकल पड़े। चुनाव में मछली अचानक प्रचार का हिस्सा नहीं बनी। इसकी शुरुआत फरवरी में हुई थी। बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने एक बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार खुले में और बिना लाइसेंस के मांस बेचने पर रोक लगा देगी। इसके अलावा उन्होंने धार्मिक स्थलों और शिक्षा संस्थानों के आसपास मछली-मांस बेचने पर प्रतिबंध की पैरवी की। उनके इस ऐलान की बिहार में ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं हुई, लेकिन टीएमसी ने बंगाल में इसे लपक लिया। 17 फरवरी को सीएम ममता बनर्जी ने चुनावी सभा में कहा कि बीजेपी अगर सत्ता में आई तो बाजार में मछली और मांस नहीं बिकेगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी बंगाल की संस्कृति को नहीं जानती है क्योंकि वह बाहरी पार्टी है।

फिर तृणमूल कांग्रेस ने मछली को बंगाली अस्मिता से जोड़कर बीजेपी को लिए गैर बंगाली पार्टी का नैरेटिव गढ़ना शुरू किया। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी इस नैरेटिव को हवा दी। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो मछली और मांस की बिक्री रोक देगी। उन्होंने टीएमसी समर्थकों से बीजेपी नेताओं का स्वागत मछली, मांस और अंडे से बने मेन्यू से करने की अपील भी कर दी। पॉलिटिकल एक्सपर्ट मानते हैं कि बंगाल में मछली सिर्फ बंगालियों की फूड हैबिट से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक-सांस्कृतिक तौर से रचा-बसा है। बंगाल की संस्कृति में मछली को शुभ माना जाता है। इससे पहले कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में भगवद

बीजेपी बोली - जो चाहे खा सकते हैं

मछली को मुद्दा बनता देख बंगाल बीजेपी के नेता खुद मैदान में उतरे। प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि क्या कोई बंगाली बिना मछली और मटन के जिंदा रह सकता है? यह संभव ही नहीं है। मछली के साथ कैंपेन करने वाले शरदवत मुखोपाध्याय ने कहा कि टीएमसी गलत जानकारी फैला रही है। हम जो चाहें खा सकते हैं। मछली, मटन और चिकन। उन्होंने दावा किया कि बंगालियों के लिए मछली-मांस संस्कृति और धार्मिक मान्यताओं के पूरी तरह से अनुरूप है।

गीता के श्लोकों के सामूहिक पाठ के दौरान आयोजन स्थल पर चिकन पैटी बेचने वालों दो फेरीवालों से बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मारपीट की थी। टीएमसी ने इसे भी बीजेपी के नॉनवेज विरोध से जोड़कर पेश किया। पार्टी ने बीजेपी के परिवर्तन यात्रा के समापन पर कार्यकर्ताओं को दिए गए लंच में मछली गायब होने को भी मुद्दा बना दिया।

अब इंटरनेट पर खतरा

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच तनाव ने वैश्विक परिदृश्य को एक नए संकट की ओर धकेल दिया है। अब तक दुनिया ऊर्जा आपूर्ति में आ रहे व्यवधान से जूझ ही रही थी कि डिजिटल सेवाओं के बाधित होने का खतरा भी सामने खड़ा हो गया है। यह केवल तकनीकी चिंता नहीं, बल्कि आधुनिक सभ्यता के अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न बनता जा रहा है। आज इंटरनेट मानव जीवन की मूलभूत जरूरतों में शामिल हो चुका है। बैंकिंग लेन-देन से लेकर हवाई यात्रा, व्यापार, संचार और शेयर बाजार तक-हर क्षेत्र इसकी निर्भरता में बंधा हुआ है। ऐसे में यदि वैश्विक इंटरनेट नेटवर्क प्रभावित होता है, तो इसका असर केवल तकनीकी सेवाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आर्थिक और सामाजिक ढांचे पर भी गहरा प्रहार होगा। मध्य पूर्व के समुद्री मार्ग, विशेषकर वे रास्ते जहां से तेल और गैस की आपूर्ति होती है, अब रणनीतिक संघर्ष के केंद्र में आ गए हैं। यही मार्ग वैश्विक इंटरनेट ट्रैफिक के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि समुद्र के भीतर बिछी फाइबर ऑप्टिक केबल्स के माध्यम से दुनिया का बड़ा डेटा प्रवाह संचालित होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन केबल्स को किसी भी प्रकार की क्षति पहुंचती है, तो इसके दूरगामी परिणाम होंगे। इतिहास गवाह है कि युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे नई-नई विध्वंसक रणनीतियों को जन्म देते हैं। समुद्री केबल्स पर हमला भी उसी कड़ी का हिस्सा हो सकता है। यदि ऐसा होता है, तो डिजिटल दुनिया की रीढ़ टूट सकती है। पहले भी संघर्षों के दौरान समुद्री केबल्स प्रभावित हो चुकी हैं, और उन्हें ठीक करने में लंबा समय लगा है। मौजूदा हालात में यह समय और भी बढ़ सकता है। इंटरनेट का विकास भले ही कुछ दशकों पुराना हो, लेकिन इसकी पहुंच और प्रभाव अभूतपूर्व है। जिस तकनीक ने दुनिया को जोड़ा, वही अब युद्ध की राजनीति के बीच असुरक्षित नजर आ रही है। यह विडंबना ही है कि जिस माध्यम ने वैश्विक संवाद को सरल बनाया, वही अब वैश्विक अस्थिरता का शिकार बन सकता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इस तरह के संकटों को रोकने में सक्षम हैं? मौजूदा परिस्थितियां बताती हैं कि वैश्विक संगठनों की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग चुके हैं। विभिन्न गुटों और मंचों के बावजूद विश्व में स्थिरता सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। आज आवश्यकता एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था की है, जो ऊर्जा, जल, स्वास्थ्य और डिजिटल सेवाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं को युद्ध और राजनीति से ऊपर रख सके। इन सेवाओं के साथ छेड़छाड़ केवल किसी एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को संकट में डाल सकती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिन पर विशेष

मध्यप्रदेश को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बढ़ते कदम

डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी
भाजपा के प्रदेश महामंत्री व राज्यसभा सांसद

मध्यप्रदेश, जो कभी नक्सलवाद, जल संकट और औद्योगिक पिछड़ेपन जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा था, आज उन समस्याओं से उबर कर अपनी विकास यात्रा में एक नई दिशा की ओर बढ़ चुका है। प्रदेश ने पिछले दो वर्षों में अभूतपूर्व गति से विकास के रास्ते पर कदम बढ़ाए हैं, जिससे राज्य की छवि ही नहीं बदली, बल्कि यह पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 'विकास भी, विरासत भी' की परिकल्पना को साकार करते हुए, प्रदेश ने न केवल अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित किया है, बल्कि आर्थिक, औद्योगिक, शिक्षा, स्वास्थ्य और जल संकट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय प्रगति भी की है। मुख्य मंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किए गए अद्वितीय और ऐतिहासिक कार्यों ने राज्य की पहचान को नया आयाम दिया है, जिससे प्रदेश अब एक आदर्श उदाहरण बनकर उभरा है। यह सब मुख्यनमंत्री डॉ. मोहन यादव की भाजपा सरकार की ओर से किए गए दूरदर्शी प्रयासों का परिणाम है, जिन्होंने न केवल आम जनता की समस्याओं का समाधान किया, बल्कि मध्यप्रदेश को एक समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित किया है।

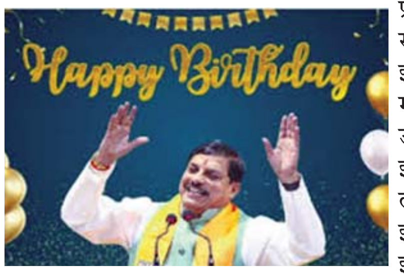

मध्यप्रदेश की भूमि हमेशा से अपनी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध रही है। यहाँ के मंदिर, तीर्थ स्थल और धार्मिक परंपराएँ भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं। मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक धरोहरों को संरक्षण प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। 'श्रीराम वनगमन पथ' और 'मां शिप्रा का शुद्धिकरण' जैसी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश ने न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया, बल्कि भगवान श्री राम जी के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण स्थलों का दर्शन भी श्रद्धालुओं को कराया। इन पहलों ने प्रदेश की आध्यात्मिक ऊर्जा को संजोने के साथ धार्मिक पर्यटन को एक नया आयाम दिया है। सिंहस्थ 2028 के लिए तैयार की गई योजनाएं लाखों श्रद्धालुओं को मध्यप्रदेश में आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। सरकार ने प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूती देने के लिए भोपाल और इंदौर जैसे शहरों में मेट्रो सेवा शुरू की, जिससे लोग आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी जोड़ पा रहे हैं। गीता भवनों की स्थापना, जो धार्मिक और बौद्धिक गतिविधियों का केंद्र बनेगी, इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। मध्यप्रदेश में सामाजिक समरसता और शांति को बढ़ावा देने के लिए भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कई कदम उठाए हैं। प्रदेशभर में डीजे और अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर नियंत्रण लगाने का निर्णय लिया गया, ताकि बच्चों को शांति से पढ़ाई का अवसर मिले और साधु-संतों को ध्यान के लिए शांत वातावरण मिल सके। खुले में मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने से प्रदेश में सामाजिक सद्भाव और भाईचारा मजबूत हुआ है। विभिन्न पर्वों और त्योहारों को सामूहिक रूप से मनाने की पहल से समाज में मेलजोल और सामूहिक सहयोग को बढ़ावा मिला है। सरकार द्वारा प्रदेश की महान विभूतियों, जैसे लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर, सम्राट विक्रमादित्य, राजा भोज और स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने के लिए नाटकों के मंचन की योजना बनाई गई है, जिससे नई पीढ़ी को इन विभूतियों से प्रेरणा मिल सके। मध्यप्रदेश के विकास में नक्सलवाद सबसे बड़ी रुकावट थी। राज्य के कई इलाके इससे प्रभावित थे, और इन क्षेत्रों में विकास की गति धीमी हो गई थी। मुख्यकमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और मजबूत नेतृत्व के साथ इस समस्या का समाधान किया। प्रदेश ने नक्सलवाद से मुक्ति प्राप्त की, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। राज्य सरकार के सशक्त पुलिस तंत्र और नक्सलियों के खिलाफ एक समर्पण अभियान के तहत 42 दिनों में 42 नक्सलवादियों ने आत्मसमर्पण किया। प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करते हुए शांति और समृद्धि की राह को प्रशस्त किया गया, जिससे प्रदेश में विकास की गति बढ़ी और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (GIS) ने राज्य के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रदेश में औद्योगिक क्रांति लाने के उद्देश्य से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव (RIC) के साझा प्रयासों से राज्य को 32 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और इनमें से 8 लाख करोड़ से अधिक के काम शुरू हो चुके हैं। इस ऐतिहासिक निवेश के माध्यम से प्रदेश में लगभग 21 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होने का अनुमान है। यह न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, बल्कि प्रदेश को आर्थिक दृष्टिकोण से आत्मनिर्भर भी बनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में भी तेजी से विकास हो रहा है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन चुका है जहां पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं। प्रदेश में 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेजों की स्थापना की गई है। ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में 52 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। हेलीकॉप्टर सेवाओं का उपयोग भी स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम में शामिल किया है, जिससे छात्रों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। 'लाडली बहना योजना' के तहत महिलाओं को मासिक सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे उनके आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। प्रशासनिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई गई है। पुलिस बैंड में महिला पुलिसकर्मियों की भागीदारी को बढ़ावा दिया गया है, जो महाकाल की सवारी से लेकर अन्य पर्वों और त्योहारों में भाग लेती हैं। मध्यप्रदेश में कई अंतर्राज्यीय परियोजनाओं पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना, केन-बेतवा सिंचाई परियोजना, और तापी मेगा प्रोजेक्ट जैसी योजनाओं से राज्य के जल प्रबंधन और कृषि क्षेत्र में सुधार होगा, और प्रदेश में समग्र विकास की दिशा में एक नया मोड़ आएगा। इन परियोजनाओं के जरिए मध्यप्रदेश न केवल अपने कृषि क्षेत्र को सशक्त करेगा, बल्कि जल संकट को भी दूर करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने जो विकास की दिशा तय की है, वह न केवल राज्य के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है। प्रदेश ने आध्यात्मिक धरोहर को संरक्षित करते हुए भौतिक विकास के नए आयामों को छुआ है। राज्य में शांति, समरसता और सामाजिक सुधार के साथ-साथ आर्थिक विकास की गति ने इसे एक समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित किया है। मुख्येमंत्री डॉ. मोहन यादव का नेतृत्व मध्यप्रदेश के लिए एक नई शुरुआत है। उनके कार्यों का प्रभाव न केवल वर्तमान पीढ़ी पर पड़ेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों तक यह राज्य के समृद्ध भविष्य का निर्माण करेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

दूरदर्शी सोच, कर्मठ नेतृत्व और जनहित की प्रतिबद्धता के प्रतीक डॉ. मोहन यादव

गोविंद सिंह राजपूत
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री म.प्र.

मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का जन्मदिवस प्रदेशवासियों के लिए केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि एक ऐसे जननायक के प्रति सम्मान और शुभकामनाएँ व्यक्त करने का दिन है, जिन्होंने अपनी दूरदर्शी सोच, कुशल प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से प्रदेश की राजनीति और शासन व्यवस्था को नई दिशा दी है। उनका व्यक्तित्व एक ऐसे नेतृत्व का प्रतीक है जो विकास, संवेदनशीलता और सामाजिक समरसता के मूल्यों को साथ लेकर आगे बढ़ता है।

डॉ. मोहन यादव का राजनीतिक जीवन संघर्ष, समर्पण और निरंतर जनसेवा की भावना से परिपूर्ण रहा है। साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर प्रदेश के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुँचना उनके धैर्य, परिश्रम और संगठनात्मक क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं माना, बल्कि इसे समाज और राष्ट्र निर्माण की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में देखा है। यही कारण है कि वे आज प्रदेश की जनता के बीच एक कर्मठ और भरोसेमंद नेतृत्व के रूप में स्थापित हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनका दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से विकासोन्मुख और जनकल्याणकारी है। वे मानते हैं कि शासन का उद्देश्य केवल नीतियाँ बनाना नहीं, बल्कि उन नीतियों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। इसी सोच के साथ उनकी सरकार प्रदेश के हर वर्ग–किसान, युवा, महिलाएँ, श्रमिक और वंचित समुदाय–के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में विकास की नई गति देखने को मिल रही है। अधोसंरचना विकास, औद्योगिक निवेश, कृषि उन्नयन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार जैसे क्षेत्रों में सरकार ने कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में उनकी सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। उनकी दूरदर्शिता और निर्णायक नेतृत्व के कारण मध्यप्रदेश आज देश के तेजी से आगे बढ़ते राज्यों में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। उनकी नेतृत्व शैली की एक विशेषता यह भी है कि वे विकास को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखते, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के संरक्षण को भी उतना ही महत्व देते हैं। मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्थाओं और परंपराओं को सहेजते हुए आधुनिक विकास के साथ संतुलन स्थापित करना उनके नेतृत्व की महत्वपूर्ण विशेषता है। वे बार-बार यह संदेश देते हैं कि विकास तभी सार्थक है जब वह समाज की सांस्कृतिक आत्मा और परंपराओं के साथ सामंजस्य बनाए रखे।

एक प्रशासक के रूप में डॉ. मोहन यादव की कार्यशैली संवाद, संवेदनशीलता और पारदर्शिता पर आधारित है। वे जनता से सीधे संवाद करने और उनकी समस्याओं को समझकर समाधान खोजने में विश्वास रखते हैं। प्रशासनिक तंत्र को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए भी उन्होंने कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, जिससे शासन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनी है। उनका व्यक्तित्व केवल एक राजनीतिक नेता तक सीमित नहीं है, बल्कि वे एक विचारशील समाजसेवी, संवेदनशील नेतृत्वकर्ता और जनहित के प्रति समर्पित कर्मयोगी के रूप में भी पहचाने जाते हैं। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि यदि नेतृत्व में दूरदर्शिता, ईमानदारी और कर्मठता हो, तो शासन व्यवस्था को जनकल्याण का प्रभावी माध्यम बनाया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रदेश के सर्वांगीण विकास की जो दिशा तय की है, वह आने वाले समय में मध्यप्रदेश को और अधिक प्रगतिशील, समृद्ध और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उनकी सकारात्मक सोच, कार्य के प्रति समर्पण और जनता के प्रति संवेदनशीलता उन्हें एक ऐसे जननायक के रूप में स्थापित करती है, जिनसे प्रदेश की जनता को बड़ी उम्मीदें हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस के इस शुभ अवसर पर समस्त प्रदेशवासी उनके स्वस्थ, दीर्घ और सफल जीवन की कामना करते हैं। आशा है कि उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करता रहेगा और प्रदेश की जनता के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और प्रगति का एक नया अध्याय लिखता रहेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

स्कैम अलर्ट

सतर्क रहें, इनकम टैक्स रिटर्न फाइलिंग में दिक्कत बताकर भेजे जा रहे मेल

अगर आपको आयकर विभाग की तरफ से कोई ईमेल आया है और उसमें आपसे आपकी पर्सनल या फाइनेंसिल जानकारी मांगी गई है तो इस ईमेल पर कोई प्रतिक्रिया ना दें। सरकार ने चेतावनी जारी की है कि आयकर विभाग ऐसा कोई ईमेल नहीं कर रहा है। यह फिशिंग ईमेल है।

दरअसल ईमेल के जरिए होना वाला एक नया फिशिंग स्कैम सामने आया है। पीआईबी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से ट्वीट करके इस स्कैम के लिए चेतावनी जारी की है। सरकार द्वारा दी जा रही चेतावनी में बताया गया है कि आजकल साइबर अपराधी लोगों को एक ईमेल भेज रहे हैं, जिसमें दावा किया जा रहा है कि वह ईमेल आयकर विभाग से आया है। ऑनलाइन एक मैसेज शेयर किया जा रहा है। इस मैसेज में आयकर रिटर्न दाखिल करने में 'अनुपालन संबंधी कमियों' के बारे में बताया गया है और मैसेज पाने वाले से कार्रवाई करने को कहा गया है। इस मैसेज की रिपोर्ट के बाद सरकार ने यह चेतावनी जारी की है।

एडवाइजरी की मानें तो यह फर्जी ईमेल व्यक्ति को घबराता है कि उसके द्वारा किए गए टैक्स फाइलिंग में कुछ दिक्कतें हैं। यह यूजर्स को किसी लिंक पर क्लिक करने या इस दिक्कत को ठीक करने के लिए अपनी फाइनेंशियल और निजी जानकारी शेयर करने के लिए उकसा सकता है।

भारत सरकार की संस्था पात्र सूचना कार्यालय ने फैक्ट चेक कर साफ किया है कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने ऐसा कोई भी मैसेज नहीं भेजा है। यह मैसेज स्कैमर्स द्वारा किया जा रहा है। इसे लोगों को धोखा देकर उनकी गोपनीय जानकारी निकलवाने या उनसे पेमेंट करवाने के लिए बनाया गया है। ठगी करने वालों ने यह नया तरीका तलाशा है। अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े बिल आदि भरने के लिए सन्देश पहले से भेजे जा रहे हैं, जिनसे सतर्क रहने की सलाह दी जाती है।

सरकार का लोगों से आग्रह: सरकार ने लोगों से आग्रह किया है कि इस प्रकार के ईमेल पर भरोसा ना करें। ऐसे किसी ईमेल की पुष्टि करने के लिए हमेशा सरकारी वेबसाइट या सोर्स पर जाएं। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने या अपनी निजी या वित्तीय जानकारी ऑनलाइन शेयर नहीं करें। पहले अच्छे से जांच लें। उसके बाद ही किसी लिंक पर क्लिक करें। इस तरह के स्कैम आपके बैंक अकाउंट खाली भी कर सकते हैं।

सुविचार

मैं अपने जीवन में बार–बार असफल हुआ हूं और इसलिए सफल होता हूं।

–अज्ञात

निशाना

दिल का हर जख्म..!

धर्मराज देशराज

जिसके सीने में मोहब्बत का ख़ज़ाना होगा
ऐसे इंसान की ठोकर में ज़माना होगा।
सोये इन्सां को हमें आज जग़ाना होगा
मक़सदे-ज़ीस्त ज़माने को बताना होगा।
उजड़े गुलशन में हमें फूल खिलाना होगा
इंकिलाब अब तो नया दुनियां में लाना होगा।
चाह बोसे कि अगर है तो बताना होगा
फ़ासला तुमको ज़रा और मिटाना होगा।
दिल का हर ज़ख्म ज़माने से छुपाना होगा
राज़ जो भी है निगाहों से बताना होगा।
मुस्कुराना तो फ़क़त उनका बहाना होगा
ऐसा लगता है हमें ज़ान से जाना होगा।
मेरी शोहबत से तुझे खुद को बचाना होगा
वर्ना दुश्मन तेरा कमबख़्त ज़माना होगा।
इश्क़ में एक तरफ होंगे 'धरम' हम बेबस
दूसरी और ये बेदर्द ज़माना होगा।

यूजर्स गाइड

इस्तेमाल के अनुसार चुन सकते हैं इंडक्शन चूल्हे की कॉपर या एल्युमिनियम कॉइल

सिलेंडर की किल्लत की खबरों के बीच बड़ी संख्या में लोग इंडक्शन चूल्हा खरीद रहे हैं। मार्केट में कॉपर और एल्युमिनियम कॉइल वाले दो ऑप्शन मिल जाएंगे। इंडक्शन चूल्हा खरीदते हुए लोग इन दो तरह के चूल्हों के बीच काफी कंफ्यूज हो जाते हैं। अक्सर एल्युमिनियम कॉइल वाला चूल्हा कॉपर की कॉइल वाले इंडक्शन चूल्हे से सस्ता आता है। ऐसे में लोग बिना दोनों के फर्क को समझे गलत इंडक्शन चूल्हा खरीद लाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आपको दोनों के फायदे और नुकसान पता हों, ताकि आपका चूल्हा ना सिर्फ लंबा चले बल्कि बिजली भी बचाए।

ऐसे इंडक्शन चूल्हे, जिसमें कॉइल एल्युमिनियम की होती है का सबसे बड़ा फायदा है कि ये सस्ते होते हैं। ऐसे में जिनका बजट कम है और जो कम समय के लिए इंडक्शन पर शिफ्ट हो रहे हैं वे इन्हें खरीद सकते हैं। कॉपर के मुकाबले क्योंकि एल्युमिनियम एक हल्की धातु है इसलिए एल्युमिनियम की कॉइल वाले इंडक्शन भी हल्के होते हैं। जो लोग सफर में इंडक्शन चूल्हा लेकर चलते हैं या इंडक्शन चूल्हे को पोर्टेबल बनाना चाहते हैं, वे एल्युमिनियम की कॉइल वाले इंडक्शन चूल्हे खरीद सकते हैं।

एल्युमिनियम कॉइल का नुकसान: एल्युमिनियम की कॉइल वाले इंडक्शन बेशक सस्ते आते हैं लेकिन बिजली का अच्छा कंडक्टर न होने की वजह से बर्तन को गर्म करने में ज्यादा समय लेते हैं। इसकी वजह से ये बिजली की खपत भी ज्यादा करते हैं। ल्युमिनियम हल्का होने के साथ-साथ एक सॉफ्ट धातु भी है। ऐसे में इसके हीट होने पर पिघलने या शॉर्ट सर्किट होने का खतरा बना रहता है। यही वजह है कि इनकी लाइफ कॉपर वाले इंडक्शन चूल्हे के मुकाबले कम होती है।एल्युमिनियम कॉइल वाले चूल्हे की एक खामी ये भी है कि ये कई बार बर्तन को असमान तरीके से गर्म करते हैं। इसकी वजह से खाना पकाने का समय कई दफा बढ़ जाता है।

कॉपर कॉइल वाले इंडक्शन के फायदे: कॉपर की कॉइल वाले इंडक्शन का सबसे बड़ा फायदा है कि बिजली का अच्छा कंडक्टर होने की वजह से तेजी से गर्म होता है, इसके चलते इसे ज्यादा देर तक चलाने की जरूरत नहीं पड़ती और खाना जल्दी पक जाता है। इससे बिजली की बचत होती है। इसका दूसरा बड़ा फायदा है कि यह एक समान हीटिंग देता है। इसके साथ एल्युमिनियम कॉइल वाले चूल्हे की तरह ये समस्या नहीं आती कि कोई बर्तन बीच से गर्म हो लेकिन किनारों से नहीं। इससे खाना बनाने में न तो समय लगता है और खाना भी एक समान तरीके से पकता है। कॉपर कॉइव वाले इंडक्शन चूल्हे का सबसे बड़ा नुकसान है कि ये मंहगा आता है। कॉपर की कीमत एल्युमिनियम की तुलना में ज्यादा होती है और इसकी लंबी लाइफ की वजह से ज्यादातर ब्रैंड इसी का इस्तेमाल अपने चूल्हे में करते हैं। ऐसे में इन चूल्हों की कीमत ज्यादा हो जाती है।

वायरल स्टोरी

कनाडा के थियेटरों में नहीं होता इंटरवल धुरंधर -2 के लिए तोड़ दी गई परंपरा

कनाडा में मूवी थिएटरों का एक पुराना नियम है कि यहां फिल्म के दौरान कोई इंटरवल नहीं होता। चाहे फिल्म 2 घंटे की हो या 4 घंटे की, वह लगातार चलती रहती है। दर्शकों को बीच में ब्रेक नहीं मिलता। लेकिन रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त अभिनीत फिल्म धुरंधर 2 ने इस नियम को तोड़ दिया।

अदित्य धार द्वारा निर्देशित यह एक्शन थ्रिलर लगभग 4 घंटे (3 घंटे 40 मिनट से 4 घंटे 5 मिनट) की है। कनाडा के सिनिप्लेक्स थिएटरों में इसकी स्क्रीनिंग के दौरान पहली बार 15 मिनट का इंटरवल दिया गया। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। कनाडा के कई निवासियों ने सोशल मीडिया पर अपना रिएक्शन शेयर किया। कनाडा में थिएटरों के रिवाज़ की मुख्य वजह है ज्यादा शो लगाना। इंटरवल के बिना एक दिन में ज्यादा स्क्रीनिंग हो सकती हैं, जिससे टिकट बिक्री बढ़ती है। अमेरिका और कनाडा में 1980-90 के दशक तक लंबी फिल्मों में इंटरवल होता था, लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया। अब ज्यादातर फिल्में बिना ब्रेक के चलाई जाती है। यहां तक कि 3 घंटे से ज्यादा की फिल्में जैसे अवतारः द वे ऑफ वॉटर या किलर्स ऑफ द फ्लावर मून भी बिना इंटरवल के दिखाई गई थी लेकिन धुरंधर 2 के मामले में सिनिप्लेक्स ने विशेष इंतजाम किया है। फिल्म की लंबी रनटाइम को देखते हुए दर्शकों को बीच में ब्रेक देने का फैसला लिया गया।

लोगों को मिला सरप्राइजः जब कनाडा के लोग थियेटर गए तो वहां ब्रेक मिलता देख हैरान रह गए। वायरल वीडियो में कनाडाई दर्शक कह रहे हैं, 'यह पहली बार हुआ है 'बाथरूम ब्रेक के लिए परफेक्ट 'बॉलीवुड स्टाइल आ गया '। कई लोगों ने इसे 'बेस्ट सरप्राइज' बताया। एक यूजर ने लिखा, 'मैं 20 साल से यहां रह रहा हूं, कभी ऐसा नहीं देखा। धुरंधर 2 रणवीर सिंह की बिग बजट एक्शन फिल्म है। यह 2025 की ब्लॉकबस्टर धुरंधर का सीक्वल है और ड्यूलॉजी का दूसरा और अंतिम भाग। फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में है। कहानी एक्शन, रिवेंज और इंटेंस ड्रामा से भरी है। भारत में बॉलीवुड फिल्मों में इंटरवल की परंपरा पुरानी है। जिससे दर्शक पॉपकॉर्न-कोल्ड ड्रिंक खरीद सकें और आराम कर सकें। कनाडा में भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग बढ़ रही है। बॉलीवुड की लोकप्रियता के कारण सिनिप्लेक्स जैसे बड़े चेन अब भारतीय फिल्मों के लिए विशेष शो रख रहे है। धुरंधर 2 की रिलीज के साथ ही ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। कनाडा में भारतीय दर्शकों की संख्या ज्यादा है, इसलिए थिएटर मैनेजमेंट ने दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इंटरवल दिया।

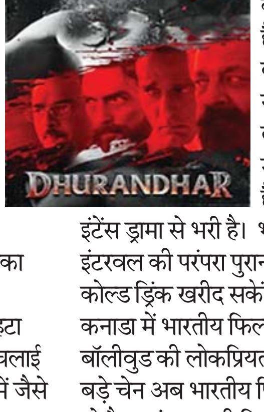

न्यूज विंडो

शिविर में दिखा समाज सेवा का जज्बा युवाओं ने दिया जल संरक्षण का संदेश

सिरोंज। राष्ट्रीय सेवा योजना केडीबीएम महाविद्यालय की इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने सेवा, समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। पूरे दिन चले विविध कार्यक्रमों में स्वच्छता, जल संरक्षण और सांस्कृतिक जागरूकता के संदेश को प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचाया गया। सुबह स्वयंसेवकों ने यादव धर्मशाला के समीप स्थित प्राचीन कुंड की साफ-सफाई कर जल स्रोतों के संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। इसके पश्चात द्वारिकाधीश मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वयंसेवकों के इस प्रयास से न केवल परिसर स्वच्छ हुआ, बल्कि ग्रामीणों में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संचार हुआ। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण विषय पर विशेष बल दिया गया। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को जल के महत्व को समझाते हुए उसके संरक्षण और सही उपयोग के लिए प्रेरित किया। दोपहर में आयोजित बौद्धिक सत्र में द्वारिकाधीश मंदिर समिति के अध्यक्ष विनय सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने स्वयंसेवकों के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि रासेयो के माध्यम से युवा वर्ग में समाज के प्रति उत्तरदायित्व और सेवा भावना विकसित होती है, जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वहीं सायंकालीन सत्र में पिपलधार गांव से आई कीर्तन मंडली के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए लोकगीत, भजन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीण संस्कृति को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम अधिकारी सुजीत कुशवाह ने बताया कि शिविर में जनजागरूकता के लिए। प्रतिदिन निर्धारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

शिवराज सिंह चौहान का बड़ा ऐलान किसानों की आय बढ़ाने बताया फॉर्मूला

सीहोर। जिले के बुदनी केंद्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान में आयोजित कृषि एक्सपो-2026% के दूसरे दिन केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों और कृषि क्षेत्र को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए बड़ा संदेश दिया। केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती को लाभकारी बनाने और कृषि को आधुनिक स्वरूप देने के लिए दृढ़ संकल्पित है। आगे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बुदनी में कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की योजना पर काम चल रहा है, जिससे क्षेत्र में कृषि शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी विकास को नई दिशा मिलेगी। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बजट 2026 में कृषि क्षेत्र को केंद्र में रखकर योजनाएं बनाई गई हैं। किसानों को नई तकनीकों से जोडने, कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने और उत्पादन लागत घटाने के लिए ठोस प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाकर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करना है।

किसान हितों और पर्यावरण संरक्षण पर विधायक ने की चर्चा

दोपहर में न चलाएं भूसा मशीन और नरवाई में आग न लगाएं

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नरवाई प्रबंधन और खेतों में आगजनी रोकने के लिए मंगलवार को विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने जनपद पंचायत में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक में किसान हितों और पर्यावरण संरक्षण पर विस्तृत चर्चा हुई।विधायक डॉ. शर्मा ने फसलों, पर्यावरण व जनजीवन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि नरवाई जलाने से पर्यावरण को भारी क्षति पहुंचती है और किसानों की मेहनत बर्बाद हो जाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल दोषियों पर ही सख्त कार्रवाई हो, निर्दोष किसानों को कोई परेशानी न हो।

विधायक ने कहा कि यह केवल बैठक नहीं, बल्कि किसानों की रक्षा और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प है। समन्वय और जागरूकता से नरवाई की आग पर पूर्ण नियंत्रण संभव है।÷ उन्होंने गांवों में मुनादी कराने और आग बुझाने के लिए टैंकरों का रिस्पॉन्स टाइम न्यूनतम रखने के निर्देश दिए।बैठक में एसडीएम जय सोलंकी ने प्रत्येक गांव में वाटर टैंकर तैयार रखने, आपात स्थिति में किसानों की पारस्परिक सहायता और सीएचसी केंद्रों पर मशीनों के उपयोग पर जोर दिया। जनपद अध्यक्ष चौकसे ने पंचायत स्तर पर फायर फाइटर की उपलब्धता सुनिश्चित करने और टैंकरों की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मध्यप्रदेश तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा ने भूसा प्रबंधन को लाभकारी व्यवसाय बनाने का सुझाव दिया।

कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए

- भूसा मशीनों का उपयोग दोपहर की तीव्र गर्मी में बिल्कुल न करें। इसे सुबह 10-11 बजे से शाम 6 बजे तक ही सीमित रखें।
- खेतों में बिजली आपूर्ति की सतत निगरानी सुनिश्चित करें, ताकि शॉर्ट सर्किट से आग न लगे।
- सभी ट्रैक्टरों में फायर फाइटर पंप अनिवार्य रूप से लगवाएं।
- खराब या अनुपस्थित पंपों की मरम्मत तत्काल कराएं।
- ट्रैक्टर और वाटर टैंकर हमेशा तैयार हालत में रखें।रोटावेटर, जेटर व बक्खर से नरवाई प्रभावी ढंग से साफ करें।
- भूसा मशीनों के साथ पानी की पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य हो।स्थानीय भूसे के बड़े उपभोक्ताओं से समन्वय कर भूसा बिक्री बढ़ाएं।

महामाई महोत्सव

दर्शनों के लिए उमड़ रही भक्तों की भारी भीड़, कृष्णायन की दी प्रस्तुति

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नवरात्रि के पावन पर्व के साथ आयोजित महामाई मेला इन दिनों पूरे क्षेत्र में आस्था, उत्साह और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर है। महामाई मैया के दर्शनों एवं मेले का आनंद लेने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं, वहीं शाम होते ही मेला परिसर रोशनी और भक्तिमय माहौल से जगमगा उठता है।

महामाई महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन संस्कृति विभाग के सहयोग से किया जा रहा है, जिसमें देशभर के ख्याति प्राप्त कलाकार अपनी प्रस्तुतियां दे रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार रात्रि को प्रसिद्ध कलाकार मोहित शेरवानी एवं उनकी टीम द्वारा कृष्णायन की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। यह कार्यक्रम रामलीला मंच पर रात्रि 9 बजे से प्रारंभ होकर देर रात तक चलता रहा, जिसमें उपस्थित दर्शक भक्ति और कला के अद्भुत संगम में डूबे नजर आए, बही कृष्णायन कार्यक्रम में श्री कृष्ण के द्वारा जो समय मध्यप्रदेश में बिताया उसी समय का वर्णन अपने भजनों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

महादलित परिसंघ ने डीआरएम से बाबासाहेब की प्रतिमा स्थापना पर चर्चा

नर्मदापुरम। महादलित परिसंघ के प्रदेश प्रभारी एवं भाजपा जिला महामंत्री नर्मदापुरम मुकेश चंद्र मैना के नेतृत्व में पश्चिम मध्य रेलवे के डीआरएम पंकज त्यागी से मुलाकात कर डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापना की लंबित मांग पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई।प्रस्ताव के अनुसार, इटारसी रेलवे स्टेशन से करीब 500 मीटर दूर खाली भूखंड (पूर्व में ऑल इंडिया ओबीसी रेलवे एम्प्लॉई वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा उपयोग, जहां अब पुराना रेल डिब्बा खड़ा है) पर प्रतिमा लगाई जाएगी। इस संबंध में 27 मार्च 2025 को पत्र क्रमांक 189 भेजा जा चुका है, जबकि सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने 3 जून 2025 को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा।डीआरएम को ज्ञापन सौंपते हुए इस मांग को फिर से उठाया गया। अवसर पर भोपाल मध्यभारत प्रांत अध्यक्ष विशाल कल्याणे, अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अमित कछवा, जिला अध्यक्ष प्रियांश कल्याणे, सचिन घेंघट, सनी शाक्य, सुबोध पंडवारी समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाघ की दस्तक से ग्रामीण दहशत में, सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के विकासखंड केसला के अंतर्गत भूमकापुरा, ओझापुरा, दौड़ी और झुनकर के जंगलों में अचानक बाघ की मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल छा गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बाघ अब जंगल से निकलकर गांव की ओर बढ़ रहा है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने का खतरा मंडरा रहा है।रोजमर्रा के कामों जैसे मवेशी चराना, महुआ संग्रह और वन उपज इकट्ठा करने के लिए जंगल जाने वाले ग्रामीण अब अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। महुआ सीजन चलने के बावजूद कई लोग जंगल नहीं जा पा रहे, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है।भूमकापुरा निवासी राधेलाल ने बताया मेरे पिता खेत पर बैलों को लेने गए थे। सुबह करीब 10 बजे बाघ की आहट सुनकर उन्हें बैल वहीं छोड़कर भागना पड़ा। वहीं, वार्ड क्रमांक 17 के वार्ड सदस्य मोहम्मद आजाद ने कहा कि पहले बाघ जंगल तक सीमित था, लेकिन अब गांव के पास आ रहा है। इससे खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से वन विभाग को आवेदन देकर मांग की है कि टाइगर को शीघ्र पकड़कर बोरी अभ्यारण्य में छोड़ा जाए। उधर भरगड़ा व आसपास के गांवों में 15 दिनों से टाइगर की सक्रियता से ग्रामीण भयभीत। बिजली न होने से लोग बाहर सोने को मजबूर, हमले का खतरा। केसला बोरी अभ्यारण रेंजर विजय बारस्कर ने बताया कि तीन चार गांव के ग्रामीणों ने बाघ को लेकर एक ज्ञापन सौंपा है हम ज्ञापन वरिष्ठ अधिकारियों को भेजेंगे, आगे की कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारी तय करेंगे।

मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

इटारसी। दोपहर मेट्रो

किसान कांग्रेस ने जिला किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विजय बाबू चौधरी के नेतृत्व में मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी निलेश शर्मा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन देने के पूर्व सभी कांग्रेसी तवा कॉलोनी गेट पर एकत्र हुए और यहां से पैदल मार्च करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे थे। ज्ञापन देने के दौरान प्रमुख रूप से राजकुमार केलु उपाध्याय, हेमू कश्यप, अशोक जैन,रमेश बामने ,पंकज राठौर, मयूर जायसवाल, राकेश शर्मा , अभय दुबे, मोहन झलिया, लाली सलूजा,राजेंद्र सिँह ,नरेश चौहान, दिलीप गोस्वामी,धर्मेंद्र मालवीय,अजय टप्पू मिश्रा ,विजय कावरे,गुफरान अंसारी मयंक चौरे ,गौरव गोल्डी चौधरी ,सौम्य दुबे, प्रतीक मालवीय,आदि उपस्थित थे।

ज्ञापन में ये 5 प्रमुख मांगें रखी गईं

- सोसायटी ऋण की अंतिम तिथि 28 मार्च से बढ़ाई जाए, ब्याज मुक्ति के लिए।
- अमेरिकी सोयाबीन आयात पर टैक्स राहत रोकी जाए, स्थानीय किसानों को बचाने हेतु।
- गेहूं खरीद 4 हजार रुपए क्विंटल पर हो, बढ़ती लागत के कारण।
- बिजली चोरी के केस बिना जांच बंद हों, गांवों की कटौती रुके।
- गैस सिलेंडर सस्ते हों, आपूर्ति नियमित बने।

मेट्रो एंकर नवाचार करने वाले 21 किसानों का किया सम्मान

जैविक खेती से ही धरती और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा संभव: विधायक

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा आयोजित किसान सेवा सप्ताह के अंतर्गत नवीन कृषि उपज मंडी परिसर में किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कहा कि धरती हमारी मां है और इसे हानिकारक रसायनों से बंजर नहीं बनाना चाहिए। किसानों को जैविक और परंपरागत खेती की ओर लौटना होगा, जिससे जमीन और मानव स्वास्थ्य दोनों सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कहा कि अधिक उत्पादन की होड़ में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से जमीन, जल स्रोत और पर्यावरण प्रदूषित हुए हैं। अब समय आ गया है कि किसान प्राकृतिक और जैविक खेती को अपनाएं। विधायक ने गौ संरक्षण पर भी विशेष जोर देते हुए किसानों से गौ आधारित कृषि को बढ़ावा देने की अपील की। कार्यक्रम में जैविक, प्राकृतिक, औषधीय एवं उन्नत खेती में नवाचार करने वाले 21 प्रगतिशील किसानों तथा उत्कृष्ट पशुपालकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई। समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, जनपद अध्यक्ष नीतू देवेंद्र रघुवंशी, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजेश तिवारी, सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री कप्तान सिंह यादव, जिला उपाध्यक्ष अंजली यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री कप्तान सिंह यादव ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. वी.के. गर्ग, वैज्ञानिक नाहर सिंह खेड़कर एवं सूर्यभान सिंह थानेश्वर ने किसानों को उन्नत कृषि के लाभ और नई तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन रविंद्र जैन ने किया तथा आभार किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष जितेंद्र बघेल ने व्यक्त किया।

शिक्षा विभाग में घमासान : बीईओ को सर्रा संकुल में आरोप-प्रत्यारोप का दौर, कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश

जनशिक्षक पर लापरवाही और प्राचार्य पर शराब पीने करने के आरोप

तेंदूखेड़ा/सर्रा। दोपहर मेट्रो

संकुल केंद्र सर्रा में पदस्थ जनशिक्षक एवं संकुल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। प्रशासन ने मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संकुल प्राचार्य एवं शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल सर्रा के प्राचार्य बलबीर राय ने जिला कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर जनशिक्षक कौशल सिंह पोर्ते पर कर्तव्यहीनता, लापरवाही एवं अनुशासनहीनता के आरोप लगाए हैं। पत्र में उल्लेख किया गया है कि संबंधित जनशिक्षक द्वारा शिक्षक ऐप पर गलत तरीके से उपस्थिति दर्ज की जा रही है। विभागीय नियमों के अनुसार कार्यस्थल की लोकेशन से ही उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य है, जबकि आरोप है कि वे अनुपस्थित रहते हुए अन्य स्थानों से तकनीकी माध्यमों द्वारा उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं, जो शासन के साथ धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है। इसके अलावा एफएलएन पोर्टल पर भी किसी प्रकार के निरीक्षण की जानकारी आज दिनांक तक दर्ज नहीं की गई है। प्राचार्य के अनुसार जनशिक्षक का मुख्य दायित्व क्षेत्र के विद्यालयों में विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर की निगरानी करना एवं शिक्षकों को मार्गदर्शन देना होता है, किंतु इस दिशा में कोई प्रभावी कार्य नहीं किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जनशिक्षक नियमित रूप से संकुल केंद्र से अनुपस्थित रहते हैं और उपस्थिति पंजी में उनके हस्ताक्षर भी नहीं मिलते। इससे संकुल की प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है और विद्यार्थियों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्राचार्य द्वारा यह भी आरोप लगाया गया है कि जनशिक्षक शिक्षा कार्यों की अपेक्षा क्षेत्रीय राजनीति में अधिक सक्रिय रहते हैं तथा अपने पारिवारिक प्रभाव का उपयोग कर अन्य कर्मचारियों को गुमराह करते हैं और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करते हैं। इन सभी तथ्यों के आधार पर उन्होंने संबंधित जनशिक्षक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए निलंबन की मांग की है। वहीं दूसरी ओर, जनशिक्षक कौशल सिंह पोर्ते ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने पलटवार करते हुए प्राचार्य पर ही बच्चों के छात्रावास में शराब सेवन करने का गंभीर आरोप लगाया है। उनके अनुसार 17 फरवरी को वे परीक्षा संबंधी कार्य से सर्रा पहुंचे थे, जहां प्राचार्य विद्यालय में उपस्थित नहीं थे। जानकारी लेने पर पता चला कि वे समीप स्थित छात्रावास में हैं। जब वे वहां पहुंचे तो कथित रूप से प्राचार्य को शराब का सेवन करते हुए पाया गया, जिसके चलते दोनों के बीच विवाद हो गया। जनशिक्षक का दावा है कि उन्होंने इस घटना का वीडियो भी बनाया है। इस पूरे मामले को लेकर सर्रा एवं फुलर क्षेत्र के ग्रामवासियों, सरपंचों एवं अतिथि शिक्षकों द्वारा भी प्राचार्य की कार्यप्रणाली के विरोध में जिला पंचायत सदस्य को ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद 24 फरवरी को जिला पंचायत सदस्य ने उक्त ज्ञापन जिला कलेक्टर दमोह को सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की। फिलहाल दोनों पक्षों के बीच चल रहे आरोप-प्रत्यारोप के बीच मामला जांच के अधीन है और अब सभी की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी को कलेक्टर ने सौंपी जांच

इस पूरे मामले को लेकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी नितेश पांडे ने बताया कि जिला पंचायत सदस्य द्वारा दिए गए ज्ञापनों के मामले मैं कलेक्टर द्वारा जांच उन्हें सौंपी गई है, जिसमें प्राचार्य की कार्य प्रणाली एवं शराब के संबंध में यह जांच मुझे करने जाना है7 उन्होंने कहा कि वे सर्रा पहुंचकर जांच करेंगे और जांच पूर्ण होने के बाद ही वस्तुस्थिति स्पष्ट हो सकेगी। उसके बाद ही मैं कुछ बता पाऊंगा।

न्यूज विंडो

नवरात्रि: मां कात्यानी की पूजा अर्चना, बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

तेंदूखेड़ा। चैत्र नवरात्रि के छठवे के दिन नगर की तहसील खेरमाता सहित देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ थी नगर में के देवी मदिरो पर भी सुबह-शाम श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई है मंदिरों में छठवें दिन मां कात्यानी की पूजा अर्चना विधि विधान के साथ की गई देवी मां के छठवें दिन के बारे में पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि दुर्गा पूजा के छठवें दिन देवी के कात्यायनी स्वरूप की उपासना की जाती है। इस दिन साधक का मन आज्ञा चक्र में स्थित होता है। योग साधना में इस आज्ञा चक्र का महत्वपूर्ण स्थान है। इस चक्र में

स्थित मन वाला साधक मां कात्यायनी के चरणों में अपना सर्वस्व निवेदित कर देता है। परिपूर्ण आत्मदान करने वाले ऐसे भक्त को सहज भाव से मां कात्यायनी के दर्शन प्राप्त हो जाते हैं। मां का स्वरूप मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं,इनका स्वरूप अत्यंत ही भव्य और दिव्य है। इनका वर्ण स्वर्ण के समान चमकीला और भास्वर है। शेर पर सवार मां की चार भुजाएं हैं, इनके बायें हाथ में कमल और तलवार व दाहिनें हाथों में स्वास्तिक व आशीर्वाद की मुद्रा अंकित है। भगवान कृष्ण को पाने के लिए व्रज की गोपियों ने इन्ही की पूजा कालिंदी नदी के तट पर की थी।ये ब्रज मंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। कौन हैं मां कात्यायनी कत नामक एक प्रसिद्द महर्षि थे,उनके पुत्र ऋषि कात्य हुए। इन्हीं कात्य के गोत्र में विश्व प्रसिद्द महर्षि कात्यायन उत्पन्न हुए थे।

अंतिम संस्कार के दौरान मधुमक्खियों का हमला, खुद को बचाने अर्थी छोड़ भागे लोग

राजगढ़। ग्राम गिलाखेड़ी में अंतिम संस्कार के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए और मृतका की अर्थी तक छोड़नी पड़ी। जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय भंवर कुंवर के अंतिम संस्कार के दौरान यह घटना हुई। गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर पीपल के पेड़ पर लगे मधुमक्खियों के छत्ते को बैंड-बाजे के शोर और अर्थी के आगे लेकर चल रहे कंडे के धुएं से दिक्कत हुई। जिसके बाद मधुमक्खी का छत्ता टूट गया और मधुमक्खियों का झुंड श्मशान स्थल तक पहुंच गया और लोगों पर हमला कर दिया। हमले के बाद मौके पर मौजूद लोग तौलिए व कपड़ों से खुद को ढककर बचाव करते रहे। इस दौरान शिवराज राजपूत, रघुवीर सिंह राजपूत, मोहन सिंह, जसवंत सिंह और कमला प्रसाद शर्मा सहित कई लोग घायल हो गए।

संबल योजना सहित कई मदों में गड़बड़ी सामने आई, जांच जारी

जनपद के बाबू ने डिजिटल सिग्नेचर से किया 2.73 करोड़ का गबन, रिश्तेदारों के खातों में डाली रकम

बड़वानी। दोपहर मेट्रो

जिले की सेंधवा जनपद पंचायत में पदस्थ रहे निलंबित सहायक ग्रेड-2 पुष्पेंद्र यादव के खिलाफ 2 करोड़ 73 लाख रुपए के गबन का मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई जनपद पंचायत के सीईओ द्वारा कराई गई जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई। आरोप है कि आरोपी ने राजपुर और सेंधवा जनपद पंचायतों में पदस्थ रहते हुए सरकारी पोर्टल के लॉगिन, पासवर्ड और डिजिटल सिग्नेचर का दुरुपयोग किया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने सरकारी योजनाओं की राशि को वास्तविक हितग्राहियों के बजाय अपने रिश्तेदारों और स्वयं के खातों में ट्रांसफर कर दिया। इस पूरी प्रक्रिया को छिपाने के लिए सरकारी रिकॉर्ड और रजिस्टर में भी छेड़छाड़ की गई।जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मुख्यमंत्री संबल योजना और ग्राम विकास से जुड़े मदों की राशि में गड़बड़ी की गई। अप्रैल 2023 में ग्वालियर की ऑडिट टीम को 26 लाख रुपए के संदिग्ध लेन-देन की जानकारी मिली थी। इसके बाद विस्तृत जांच में यह मामला बढ़कर करोड़ों रुपए के गबन तक पहुंच गया।

राजपुर जनपद पंचायत में वर्ष 2017 से 2019 के दौरान आरोपी द्वारा करीब 40 लाख रुपए रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर किए गए। वहीं सेंधवा जनपद पंचायत में वर्ष 2020 से 2023 के बीच 2 करोड़ 28 लाख रुपए से अधिक की राशि इसी तरह स्थानांतरित की गई। इसके अलावा करीब सवा दो लाख रुपए आरोपी ने अपने व्यक्तिगत खातों में भी जमा किए। सेंधवा शहर थाना प्रभारी दिनेश सिंह कुशवाह ने बताया कि सीईओ और पंचायत निरीक्षक की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस प्रकरण में अन्य कौन-कौन शामिल हो सकते हैं।

ईंधन संकट की खबरें अफवाह.... कलेक्टर ने की संयम बरतने की अपील

धार। जिले में पिछले कुछ घंटों से पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों ने आम जनता के बीच अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया है। जिले के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं, जहाँ लोग घबराहट में अपनी गाड़ियों के टैंक फुल करवाने के लिए उमड़ पड़े। शहर मे मंगलवार देर शाम पेट्रोल पम्पो पर अचानक भीड़ उमड़ पड़ी। पेट्रोल खत्म होने और कीमतें बढ़ाने की अफवाह के चलते लोग अपने वाहनों की संख्या को फुल करवाने के लिए पेट्रोल पंप पर बड़ी संख्या में पहुंचने लगे। कई पेट्रोल पम्पो पर लंबी लाइन लग गई। कई लोग केनों मे भी पेट्रोल का स्टॉक करने के लिए पहुंच गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने एक विशेष वीडियो संदेश जारी कर जिले के नागरिकों को वास्तविकता से अवगत कराया है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने स्पष्ट किया कि जिले, प्रदेश या देश के स्तर पर ईंधन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कुछ लोग इस गलतफहमी में पेट्रोल पंपों पर भीड़ लगा रहे हैं कि शायद आने वाले दिनों में डीजल-पेट्रोल नहीं मिलेगा। मैं स्पष्ट कर दूँ कि आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रशासन ने भारत पेट्रोलियम इंडियन ऑइल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी प्रमुख कंपनियों से संपर्क किया है। सभी ने पर्याप्त स्टॉक होने की पुष्टि की है।

इंडक्शन बना खतरा... किचन में ब्लास्ट के वक्त खड़े थे महिला-बच्चे

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत के बीच लोगों ने इलेक्ट्रिक इंडक्शन की तरफ रुख किया है। इसके कारण इंडक्शन की डिमांड और बिक्री तेजी से बढ़ी है लेकिन क्या इंडक्शन का इस्तेमाल करना सुरक्षित है। ये सवाल मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर में हुई इंडक्शन ब्लास्ट की घटना के बाद खड़ा हो रहा है। नरसिंहपुर में खैरीनाका स्थित एक घर में खिचड़ी बनाते वक्त इंडक्शन ब्लास्ट हो गया। जिस वक्त इंडक्शन ब्लास्ट हुआ किचन में महिला व बच्चे मौजूद थे। राहत की बात ये है कि महिला व बच्चों को कोई चोट नहीं आई है। नरसिंहपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र के तहत आने वाले शहर से लगे खैरीनाका में मंगलवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। घर में खाना बनाते समय इलेक्ट्रिक इंडक्शन अचानक फट गया। खैरीनाका में रहने वाले धर्मेन्द्र जाट के घर में गृहिणी हेमा जाट इंडक्शन पर खिचड़ी बना रही थीं। उन्होंने बताया कि खाना लगभग तैयार हो चुका था और इंडक्शन पर खिचड़ी बन चुकी थी। जैसे ही खिचड़ी के बर्तन को इंडक्शन से उतारने की कोशिश की तो इंडक्शन तेज

धमाके के साथ फट गया। धमाके के साथ इंडक्शन के फटने से उसके कांच पूरी तरह से बिखर गए और किचन में हर तरफ फैल गए। हेमा ने बताया कि जब इंडक्शन में ब्लास्ट हुआ तो किचन में उसके साथ उसके दोनों बच्चे थे, किसी को कोई चोट नहीं आई है। उन्होंने ये भी कहा कि गैस सिलेंडर की समस्या के कारण कुछ समय से इंडक्शन पर ही पूरा खाना पका रही थीं हो सकता है कि अधिक समय तक उपयोग करने के कारण और ज्यादा गर्म होने के कारण इंडक्शन में ब्लास्ट हुआ हो।धर्मेंद्र जाट ने बताया कि इंडक्शन करीब छह महीने पहले ही खरीदा गया था।

30 मार्च के प्रशिक्षण हेतु हुई वर्युचल बैठक मंडल अध्यक्ष ने दी जानकारी

तारादेही। दोपहर मेट्रो

तारादेही भाजपा मंडल में मंडल अध्यक्ष डॉ मनोहर सिंह लोधी द्वारा अपने कार्यकर्ताओं के साथ गूगल मीट वर्युचल बैठक ली और प्रशिक्षण हेतु कार्यकताओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी मंडल अध्यक्ष डॉ मनोहर सिंह लोधी ने बताया कि 30 मार्च सोमवार को तेन्दूखेड़ा के सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण होना तय हुआ है जिसकी जानकारी गूगल मीट पर वर्युचल बैठक में जुड़े कर प्रशिक्षण जिला प्रभारी जिला महामंत्री अरुण तिवारी मंडल अध्यक्ष डॉ मनोहर लोधी मंडल उपाध्यक्ष बलवंत सिंह मंडल उपाध्यक्ष नारायन पटेल मंडल उपाध्यक्ष पवन यादव मंडल उपाध्यक्ष भगत सिंह मंडल मंत्री प्रहलाद पाल मंडल मंत्री रत्नेश साहू मंडल मंत्री सुक्कू पाल मंडल मंत्री परसू पटेल कर्यालय मंत्री सूर्यप्रकाश तिवारी कोषाध्यक्ष अशोक रजक मीडिया प्रभारी शरन यादव आईटी सेल प्रभारी सुवेंद सिंह सोसल मीडिया प्रभारी रंजीत लोधी को दी गई है।

साप्ताहिक बाजार में बढ़ती अव्यवस्था

तेंदूखेड़ा में बढ़ते ट्रैफिक से लोग परेशान एम्बुलेंस का निकलना भी हो रहा मुश्किल

तेदूखेड़ा । दोपहर मेट्रो

नगर के बाजार क्षेत्र में दिनोंदिन बिगड़ती यातायात व्यवस्था अब आमजन के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। नगर की मुख्य सड़कों पर दिन में कई बार जाम की स्थिति निर्मित हो रही है, जिससे न केवल स्थानीय नागरिकों को परेशानी हो रही है, बल्कि आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। विशेष रूप से मंगलवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दौरान हालात अत्यंत चिंताजनक हो जाते हैं, जब अव्यवस्थित ढंग से लगाए गए हाथठेले और भीड़ के कारण आवागमन लगभग ठप हो जाता है। नगर के प्रमुख मार्ग, मुख्य मार्ग से थाना बाजार, खकरिया मार्ग, राम मंदिर मार्ग, तारादेही मार्ग तथा बस स्टैंड क्षेत्र—सबसे अधिक प्रभावित हैं। इसके अलावा एसबीआई मार्ग से पुलिस थाना और मुख्य मार्ग से नगर परिषद तक का क्षेत्र भी यातायात अव्यवस्था की चपेट में है। जाम की स्थिति के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने वाली एम्बुलेंस और

अन्य आपातकालीन वाहन भी समय पर नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस समस्या का प्रमुख कारण सड़कों पर वाहनों की बेतरतीब पार्किंग है। दुकानों के सामने और सड़क किनारे कहीं भी वाहन खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे चौड़ी सड़कें भी संकरी गलियों में बदल जाती हैं। शाम के समय, जब बाजार में भीड़ बढ़ती है, तब स्थिति और अधिक विकट हो जाती है। ऐसे हालात में पैदल चलना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। नगर के व्यापारियों ने भी इस समस्या पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि समुचित पार्किंग व्यवस्था के अभाव में ग्राहकों को दुकानों तक पहुंचने में कठिनाई होती है, जिससे उनके व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। स्थानीय व्यापारी रत्नेश जैन, गोविंद राय, शोएब खान रंजीत साहू अनुसार पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं होने से वाहन दुकानों के सामने खड़े हो जाते हैं, जिससे ग्राहकों को असुविधा होती है और व्यापार प्रभावित होता है।÷ इसके अतिरिक्त, सड़कों पर आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या भी यातायात व्यवस्था को और अधिक बाधित कर रही है। ये पशु सड़कों पर कहीं भी बैठ जाते हैं या आपस में भिड़ जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है और जाम की समस्या और गंभीर हो जाती है। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र ही इस समस्या के समाधान हेतु ठोस कदम उठाए जाएं। विशेष रूप से व्यवस्थित पार्किंग स्थलों का निर्माण, सड़कों से अतिक्रमण हटाना तथा आवारा पशुओं पर नियंत्रण जैसे उपाय तत्काल किए जाएं, ताकि नगर की यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके और आमजन को राहत मिल सके।

मेट्रो एंकर | लेमनग्रास प्रोजेक्ट पर उठे सवाल

पुरानी फसल नहीं खरीदी, फिर भी नए लक्ष्य तय

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में लेमनग्रास खेती को बढ़ावा देने के लिए एक ओर प्रशासन नई योजनाओं पर जोर दे रहा है, वहीं दूसरी ओर पहले से इस खेती में जुड़े किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने हाल ही में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में 500 एकड़ में लेमनग्रास की खेती का लक्ष्य तय किया है। साथ ही ओरियो ऑयल कंपनी के सहयोग से किसानों की संगोष्ठी आयोजित कर उन्हें इस खेती के लिए प्रेरित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आ रही है। जिले के कोतमा और पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के कई किसानों ने नाराजगी जाहिर करते हुए बताया कि पूर्व में लगाए गए लेमनग्रास की फसल को खरीदने का वादा करने वाली कंपनी अब खरीदी से पीछे हट रही है। किसानों का कहना है कि उन्होंने कंपनी के भरोसे अपनी लागत लगाकर लेमनग्रास की खेती की, लेकिन अब उनकी उपज खेतों में ही पड़ी है और कोई खरीदार नहीं मिल रहा। किसानों का आरोप है कि बिना पुराने मामलों का समाधान किए प्रशासन नए लक्ष्य तय कर रहा है, जिससे उनका भरोसा और कमजोर हो रहा है। कई किसानों ने यह भी कहा कि यदि समय रहते उनकी फसल की खरीदी नहीं हुई तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब पहले से जुड़े किसानों की समस्याएं अनसुलझी हैं, तो नए किसानों को इस परियोजना से जोड़ना कितना उचित है। यदि प्रशासन और संबंधित कंपनियां समय पर खरीदी और भुगतान सुनिश्चित नहीं करतीं, तो यह महत्वाकांक्षी लेमनग्रास प्रोजेक्ट किसानों के लिए घाटे का सौदा साबित हो सकता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
जोन क्र -08 यांत्रिक विभाग
निविदा आमंत्रण सूचना पत्र

क्र. 7/यां.वि./2026 — भोपाल, दिनांक 23/03/26

1. निम्नलिखित कार्य म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से आनलाईन निविदाये आंमत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण website https://www.mptenders.gov.in/ पर है।

S. No.	निविदा क्रं.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (राशि रू. लाख में)	निविदा क्रय करने का अंतिम	
01	2026_UAD_480005_2	PROVIDING AND FIXING OF GRILL SHED AND CONSTRUCTION OF DRAIN NEAR I10593 AND 10555 DURGA NAGAR W46 Z08 2025201457 second call	188510/-	30.03.2026	5.30PM

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. Amendments to NIT, if any, would be publish websithttps://www.mptenders.gov.in/only, and not in newspaper.

नि. क्र. 3359/025/026

Assistant Engineer
Zone- 08
Municipal Corporation Bhopal

सिनर ने तोड़ा जोकोविच का रिकॉर्ड

लगातार 26 सेट जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने

मियामी। इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार सबसे अधिक सेट जीतने के मामले में नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सिनर ने मियामी ओपन के तीसरे राउंड में कोरेंटिन मूटे को 6-1, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटा 11 मिनट तक चला। इस जीत के साथ सिनर के लगातार जीते गए सेटों की संख्या 26 हो गई है, जबकि जोकोविच के नाम 24 सेट का रिकॉर्ड था। जोकोविच ने यह उपलब्धि 2016 में इंडियन वेल्स और मियामी के बीच हासिल की थी। नवंबर से जारी है अजेय रहने का सिलसिला सिनर का यह शानदार सफर पिछले साल नवंबर में पेरिस मास्टर्स से शुरू हुआ था। वहां उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद उन्होंने इसी महीने इंडियन वेल्स ओपन का खिताब भी जीता। म्यूटेट के खिलाफ जीत के साथ ही सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 लेवल पर लगातार 13 मैच जीतने का रिकॉर्ड भी बना लिया है। मैच के बाद सिनर ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। यह खेल अप्रत्याशित है, इसलिए हम जितना हो सके उतना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं। अब देखते हैं कि अगले दौर में क्या होता है।

मिचेलसन से मुकाबला

चौथे दौर में जैनिक सिनर का सामना अमेरिका के एलेक्स मिचेलसन से होगा। मिचेलसन ने अपने तीसरे दौर के मुकाबले में अलेजांद्रो ताबिलो को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर आगे कदम बढ़ाया है। सिनर जिस फॉर्म में चल रहे हैं, उन्हें टूनार्मेंट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। मियामी ओपन में कार्लोस अल्कराज के बाहर होने के बाद सिनर के पास अपनी रैंकिंग और मजबूत करने का अच्छा मौका है।

सत्र के पहले शॉटगन विश्व कप के लिए तैयार हैं भारतीय निशानेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी

इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए निशानेबाज भौनीश मेंदिरत्ता पेरिस ओलंपिक की निराशा को भुलाकर आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में भारतीय टीम का नेतृत्व करते हुए इस साल की शानदार शुरुआत करने की कोशिश करेंगे। ट्रैप निशानेबाज भौनीश ने पेरिस ओलंपिक के लिए भारत का पहला कोटा हासिल किया था, लेकिन वह ट्रायल्स में चूक गए थे। वह टैंजियर में शानदार शुरुआत करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे, क्योंकि 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाइंग चक्र इस साल शुरू हो रहा है। विश्व कप के लिए भारत पुरुष और महिला दोनों वर्गों में ट्रैप और स्कीट के लिए 12 सदस्यीय टीम और दो ट्रैप मिश्रित टीमें भी भेज रहा है, जिनकी मदद के लिए विदेशी कोच, फिजियोथेरेपिस्ट और मनोवैज्ञानिक भी साथ में होंगे। भारत के शीर्ष ट्रैप निशानेबाज जोरावर सिंह संधू को हालांकि टीम में जगह नहीं मिल पाई है।

43 देशों के खिलाड़ी देंगे चुनौती

इस प्रतियोगिता में 43 देशों के 271 निशानेबाज भाग लेंगे और ऐसे में भारत को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। महिला ट्रैप स्पर्धा में ओलंपियन राजेश्वरी कुमारी भारत की सबसे अनुभवी निशानेबाजों में से एक हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनके परिणाम बताते हैं कि वह अभी तक अगले स्तर तक नहीं पहुंच पाई हैं। उन्होंने पेरिस ओलंपिक खेलों में 22वां स्थान हासिल किया था। उन्होंने 2021 में विश्व कप में मिश्रित टीम

राजस्थान रॉयल्स के बाद बिकी आरसीबी फ्रेंचाइजी

16706 करोड़ रुपए में हुआ सौदा

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 सीजन से पहले यूनाइटेड स्प्रिट्स लिमिटेड (यूएसएल) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) फ्रेंचाइजी बेचने का एलान कर दिया है। यूएसएल ने आरसीबी को आदित्य बिरला ग्रुप, द टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन के एक गठजोड़ को 1.78 अरब डॉलर (करीब 16706 करोड़ रुपये) के नकद सौदे में बेच दिया है। गत चैंपियन आईपीएल टीम का स्वामित्व अब इस समूह के पास होगा। एक ही दिन में दो आईपीएल फ्रेंचाइजी को नया मालिक मिला है। इससे पहले, काल सोमानी ने राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी को 1.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर (यानी करीब 15290 करोड़ रुपये) में खरीदा था। समाचार एजेंसी के अनुसार, इस समूह ने यूएसएल के साथ फ्रेंचाइजी में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का समझौता कर लिया है। इस सौदे में आरसीबी की पुरुष और महिला दोनों टीमों को शामिल किया गया है। यूएसएल, ब्रिटेन की डियाजियो की सहायक कंपनी है और वह अब आरसीबी से बाहर निकलना चाहती है क्योंकि यह टीम उनके मुख्य व्यवसाय का हिस्सा नहीं थी।

बीसीसीआई और आईपीएल की मंजूरी मिलना बाकी

समझौते के तहत एबीजी के निदेशक आर्यमान विक्रम बिड़ला को आरसीबी का चेयरमैन (प्रमुख) बनाया जाएगा, जबकि टाइम्स ऑफ इंडिया के सत्यन गजवानी उनके उप प्रमुख होंगे। इस सौदे को हालांकि अभी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और आईपीएल संचालन समिति के साथ-साथ महिला प्रीमियर लीग और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से औपचारिक मंजूरी मिलनी बाकी है। आरसीबी को खरीदने की दौड़ में टाइम्स इंटरनेट के नेतृत्व वाला कंसोर्टियम, एबीजी और आर्सेलरमित्तल के सीईओ आदित्य मित्तल के नेतृत्व वाला मित्तल परिवार भी शामिल था। लेकिन यूएसएल ने आदित्य बिरला ग्रुप की अगुआई वाले कंसोर्टियम (समूह) के साथ करार करने का फैसला किया। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आरसीबी का स्वामित्व आधिकारिक रूप से कब इस ग्रुप को मिलता है।

एक ही दिन में दो बड़े सौदे

आईपीएल इतिहास में 24 मार्च 2026 का दिन ऐतिहासिक साबित हो रहा है। इस दिन इस लीग के इतिहास के दो सबसे बड़े सौदे हुए। पहले राजस्थान रॉयल्स को 15000 करोड़ से अधिक में खरीदने पर सहमति बनी जो टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे महंगा करार था। लेकिन ये रिकॉर्ड 24 घंटे भी नहीं टिक सका क्योंकि मंगलवार की रात तक यूएसएल ने आरसीबी को 16000 करोड़ से अधिक की कीमत पर बेच दिया। इस तरह ये डील आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा करार बन गया।

24 गुना ज्यादा में बिकी राजस्थान: 2008 में जब राजस्थान रॉयल्स को खरीदा गया था, तब इसकी कीमत सिर्फ 67 मिलियन डॉलर थी, जो उस समय लगभग 260-270 करोड़ रुपए के आसपास बैठती थी। अगर उसी 67 मिलियन डॉलर को आज की वैल्यू में देखा जाए, तो यह करीब 628 करोड़ रुपए बनता है। अब 2026 में यही फ्रेंचाइजी करीब 1.63 बिलियन डॉलर (लगभग 15,289 करोड़ रुपए) में बिकी है। यानी, मौजूदा वैल्यू की तुलना 2008 की आज की कीमत (628 करोड़ रुपए) से करें, तो राजस्थान रॉयल्स की कीमत में करीब 24 गुना का उछाल आया है।

दक्षिण अफ्रीका टी-20 सीरीज

श्रृंखला के लिये भारतीय टीम में शामिल हुईं अनुष्का

नयी दिल्ली। अनुष्का शर्मा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 17 अप्रैल से शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 क्रिकेट श्रृंखला के लिये पहली बार भारतीय महिला टीम में शामिल किया गया है। श्रृंखला के मैच डरबन, जोहानिसबर्ग और बेनोनी में होंगे।शर्मा को डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले गुजरात जाइंट्स ने 45 लाख रूपये में खरीदा था । बाईस वर्ष की यह खिलाड़ी पिछले महीने बैंकॉक में राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भारत ए टीम की सदस्य थी। आस्ट्रेलिया को 2-1 से हराने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही स्नेह राणा, अमनजोत कौर, जी कमलिनी और वैष्णवी शर्मा को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिये टीम में जगह नहीं मिली है। तेज गेंदबाज काशवी गौतम को हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम में शामिल किया गया है। यह श्रृंखला जून जुलाई में ब्रिटेन में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के लिये अहम है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

आमिर खान ने गर्लफ्रेंड गौरी संग कर ली सगाई?

गिफ्ट की बेशकीमती हीरे की अंगूठी, मची खलबली

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान लगता है तीसरी शादी की तैयारी में हैं। खबर है कि उन्होंने गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ सगाई भी कर ली है। दोनों की उंगलियों में डायमंड रिंग चमकती दिखी। आमिर भले ही 60 साल के हो चुके हैं, रोमांस के मामले में वो आज भी अच्छे अच्छों को पीछे छोड़ देने की हिम्मत रखते हैं। वो गौरी का हाथ थामे एक इवेंट में नजर आए, जिसके बाद ये कयास लगाए जाने लगे कि दोनों की रिंग सेरेमनी हो गई है।

हालांकि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। एक्टर ने सगाई नहीं की है, ना ही उनका फिलहाल तीसरी शादी का कोई इरादा है। वो कह चुके हैं कि वो गौरी से अपने दिल और दिमाग में शादी कर चुके हैं। दरअसल, आमिर ने हाल ही में गौरी के लिए दो बेहद खास और रेयर जेमस्टोन रिंग्स बनवाई हैं। ये रिंग्स दुनिया के सबसे चुनिंदा और कीमती पत्थरों से तैयार की गई हैं, जिन्हें बनाने में कारीगरों को कई घंटे लगे। ये दोनों रिंग्स लग्जरी ज्वेलरी ब्रांड QWEEN से बनवाई गई हैं, जो अभी तक ऑफिशियली लॉन्च भी नहीं हुआ है। लेकिन आमिर खान

पहले ही इसके ग्राहक बन चुके हैं। गौरी को हाल ही में जो खूबसूरत हल्के नीले रंग की रिंग पहने देखा गया था, वही इन दो रिंग्स में से एक है।

बेशकीमती रत्नों से जड़ी हैं अंगूठियां

आमिर ने सिर्फ एक रिंग लेने की बजाय दो रिंग्स बनवाने का फैसला किया। उनका मानना है कि प्यार को एक ही एहसास से नहीं समझा जा सकता, इसलिए उन्होंने रिश्ते के अलग-अलग पहलुओं को दिखाने के लिए दो रिंग्स चुनीं। इन खास रिंग्स में एक एक्वामरीन (नीला पत्थर) है और दूसरी रूबी (लाल पत्थर)। दोनों को उनकी खूबसूरती और रेयरिटी की वजह से चुना गया है। पहली रिंग में ब्राजील से लाया गया चमकदार नीला एक्वामरीन है, जिसके चारों तरफ हीरों की खूबसूरत डिजाइन है। दूसरी रिंग में मेडागास्कर का हाई-क्वालिटी रूबी लगा है। इन दोनों पत्थरों का मतलब भी खास माना जाता है- रूबी प्यार और जुनून को दिखाता है, जबकि एक्वामरीन सुकून, साफ सोच और इमोशनल गहराई का प्रतीक है। यानी दोनों मिलकर रिश्ते की अलग-अलग लेकिन जरूरी भावनाओं को दिखाते हैं।

आज जो कुछ भी हूं...सुधा चंद्रन ने 'जयपुर फुट' को दिया इंटरनेशनल सेलिब्रिटी बनाने का श्रेय

मुंबई । अभिनेत्री और नृत्यांगना सुधा चंद्रन ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा को याद करते हुए कहा कि उन्हें इंटरनेशनल सेलिब्रिटी का दर्जा दिलाने में 'जयपुर फुट' का सबसे बड़ा योगदान है। लहरें टीवी द्वारा शेयर किए गए एक पुराने वीडियो में सुधा भावुक होकर डॉ. पी.के. सेठी और राजस्थान का शुक्रिया अदा करती नजर आईं। वीडियो में सुधा चंद्रन कहती नजर आईं, ÷आज सुधा चंद्रन 'जयपुर फुट' (एक प्रकार का कृत्रिम पैर) की वजह से एक इंटरनेशनल सेलिब्रिटी बन गई है। डॉ. पी.के. सेठी का शुक्रिया। मैं आज जो कुछ भी हूं, राजस्थान की वजह से हूं। उन्होंने आगे कहा, इस तेजी से आगे बढ़ती दुनिया में भी कुछ लोगों के पास समाज सेवा के लिए समय है और मुझे बहुत खुशी है कि मैं भी इस नेक काम में छोटा सा योगदान दे पा रही हूं। सुधा चंद्रन की यह यात्रा कई दिव्यांगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। उनका मानना है कि सपोर्ट और इच्छाशक्ति से बड़ी से बड़ी बाधा को पार किया जा सकता है। 'जयपुर फुट' जैसी आसान लेकिन बेहतरीन तकनीक ने न सिर्फ सुधा का जीवन बदला, बल्कि हजारों दिव्यांगों को नई जिंदगी दी। सुधा चंद्रन ने यह भी उम्मीद जताई कि वे दिव्यांगता से जुड़े सामाजिक कलंक को दूर करने में मदद कर पाएंगी। उन्होंने कहा, ÷मैं डिक्शनरी से 'हैंडिकैप' या 'दिव्यांग' जैसे शब्दों को मिटाने की कोशिश करना चाहूंगी।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत घरेलू मांग के कारण जीडीपी वृद्धि दर करीब 7.8 प्रतिशत

मेट्रो बाजार

मुंबई । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने एक रिपोर्ट में कहा कि देश की अर्थव्यवस्था की विकास की गति मजबूत बनी हुई है और घरेलू मांग के चलते विकास दर करीब 7.8 प्रतिशत बनी हुई है। एनएसई की ओर से यह रिपोर्ट ऐसे समय में जारी की गई है, जब पश्चिम एशिया में तनाव के कारण वैश्विक बाजारों के साथ भारतीय बाजारों में बड़ी गिरावट देखी गई है। एनएसई ने रिपोर्ट में बताया कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है और वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। बढ़ी हुई ऊर्जा कीमतें महंगाई, चालू खाता घाटा और भारत की मुद्रा की स्थित के लिए एक बड़ा चिंता का विषय है। एक्सचेंज के मुताबिक, फरवरी में निफ्टी 50 में 0.6 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि व्यापक बाजार में कुछ स्थिरता देखने को मिली। मार्च में बिकवाली तेज हो गई, निफ्टी में 1- 13 मार्च तक साल-दर-साल 11.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने स्थिरता बनाए रखी, फरवरी में 38,423 करोड़ रुपए के शुद्ध निवेश के साथ उनकी खरीदारी का सिलसिला लगातार 31वें महीने जारी रहा, जिसे 29,845 करोड़ रुपए के एसआईपी इनफ्लो का समर्थन मिला। विदेशी निवेशकों ने फरवरी में कुछ समय के लिए खरीदारी की, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों में गिरावट आने के साथ ही उन्होंने फिर से बिकवाली शुरू कर दी। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में कंपनियों का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है। इसके लिए एनएसई ने वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही के कंपनियों के नतीजों का हवाला दिया।

आईपीओ के जरिए पैसे जुटाने में फाइनेंशियल सेक्टर सबसे आगे, 34 प्रतिशत रही हिस्सेदारी

मुंबई । वित्त वर्ष 26 में इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के जरिए पैसे जुटाने में फाइनेंशियस सेक्टर सबसे आगे रहा है और चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-फरवरी की अवधि में जुटाई गई कुल फंडिंग में इसकी हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रही है। यह जानकारी एनएसई की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। एनएसई ने %मार्केट प्लस% रिपोर्ट में कहा गया, ÷वित्त वर्ष 26 में आईपीओ के जरिए फंडिंग जुटाने में फाइनेंशियल सेक्टर 34 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहा है। इसके बाद कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी की हिस्सेदारी 31 प्रतिशत और इंडस्ट्रियल की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत रही है।÷ एसएमई सेगमेंट में आईपीओ के जरिए फंडिंग जुटाने में 36 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ इंडस्ट्रियल सेक्टर सबसे आगे रहा। इसके बाद कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत और मटेरियल की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत थी। एनएसई के मुताबिक, वित्त वर्ष 26 के अप्रैल-फरवरी अवधि में मेनबोर्ड

आईपीओ के जरिए 99 कंपनियों ने 1,65,036 करोड़ रुपए जुटाए हैं। पूरे वित्त वर्ष 25 में 79 कंपनियों ने मेनबोर्ड आईपीओ के जरिए 1,62,517 करोड़ रुपए जुटाए थे। हालांकि, एसएमई सेगमेंट में आईपीओ गतिविधियों में कमजोरी देखी गई है और वित्त वर्ष 26 में कुल 105 एसएमई आईपीओ की लिस्टिंग हुई, जिसमें कंपनियों ने 5,121 करोड़ रुपए जुटाए। वित्त वर्ष 25 में 163 एसएमई आईपीओ आए थे और उन्होंने 7,111 करोड़ रुपए की राशि जुटाई।

सिक्किम में भारी बारिश ने मचाया कहर, 200 पर्यटक फंसे

» कई जगहों पर भूस्खलन, जनजीवन अस्त-व्यस्त

उत्तर सिक्किम में अचानक भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। चुंगथांग में 150 से 200 पर्यटक फंस गए हैं। लैंडस्लाइड के कारण गंगटोक से लाचेन और चुंगथांग से लाचेन जाने वाले रास्ते पूरी तरह बंद हो गए। अब ये पर्यटक आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं।जिला कलेक्टर अनंत जैन ने बताया कि कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है। इससे सड़कें पूरी तरह ब्लॉक हो गई हैं। पर्यटक लाचेन घूमने जा रहे थे, लेकिन बीच रास्ते में ही अटक गए। अभी सभी पर्यटकों को आईटीबीपी कैंप और गुरुद्वारे में सुरक्षित रखा गया है। वहां उन्हें खाने-पीने और रहने की व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन ने तुरंत मदद पहुंचाई। जिला कलेक्टर अनंत जैन ने कहा कि मौसम अगर बेहतर हुआ तो सड़कों को साफ करने का काम शुरू किया जाएगा। रास्ते पूरी तरह सुरक्षित होने के बाद ही पर्यटकों को आगे जाने की इजाजत दी जाएगी। फिलहाल लाचेन की ओर कोई भी आवाजाही बंद है।

न्यूज विंडो

दिल्ली में सड़क हादसा: अनियंत्रित बस पलटने से दो यात्रियों की मौत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के करोल बाग इलाके में देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। झंडेवालान मंदिर के पास एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे 23 यात्री घायल हुए, दो घायलों की मौत हो गई। घायलों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे के समय इस बस में 30 यात्री सवार थे।जानकारी के अनुसार, यह भीषण दुर्घटना करोल बाग के हनुमान मंदिर चौक के पास हुई। देर रात दमकल विभाग को बस पलटने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर रवाना हो गईं। राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया।दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को दिल्ली के करोल बाग इलाके के पास एक स्लीपर बस पलट गई। होदसे में 23 लोगों घायल हुए, इनमें से दो लोगों की जान चल गई।

सीवर टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से पिता-पुत्र की गई जान

कानपुर। कानपुर में कल्याणपुर थाना क्षेत्र के गूबा गार्डन इलाके अंतर्गत सीवर टैंक की सफाई करने उतरे पिता और पुत्र की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।जानकारी के अनुसार, जावेद और उनका पुत्र आकिब कल्याणपुर क्षेत्र में एक सीवर टैंक की सफाई करने के लिए उतरे थे। टैंक के भीतर जमा जहरीली गैस का प्रभाव इतना तीव्र था कि दोनों मजदूर देखते ही देखते बेहोश हो गए। जब काफी देर तक अंदर से कोई हलचल नहीं हुई, तो स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी।हादसे की जानकारी मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया।

जेल में बंद खालिद को राज्यसभा भेजें मुस्लिम अलायंस ने कांग्रेस से की अपील

जयपुर। राजस्थान मुस्लिम एलायंस के अध्यक्ष मोहसिन राशिद ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी के हाईकमान से अपील की है कि वे जेल में बंद छ्रह के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को राजस्थान से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाएं। राशिद ने कहा कि राजस्थान में दशकों से संसद में मुसलमानों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, न लोकसभा में और न ही राज्यसभा में। उन्होंने कहा, 'पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 25 और कांग्रेस ने 25 उम्मीदवार उतारे, लेकिन एक भी मुस्लिम कैंडिडेट नहीं दिया। उस समय राजस्थान के मुस्लिमों को उम्मीद थी कि आगामी राज्यसभा चुनाव में कम से कम एक मुस्लिम को भेजा जाएगा।'राशिद ने उमर खालिद का बचाव करते हुए कहा कि भारतीय संविधान के अनुसार, जब तक अदालत में दोष साबित नहीं हो जाता, तब तक कोई व्यक्ति अपराधी नहीं माना जाता। उन्होंने कई नेताओं के उदाहरण देते हुए हृद्ध से कहा, 'उमर खालिद पर आरोप हैं, लेकिन आरोप लगना और दोषी साबित होना अलग-अलग बात है।

एआईएमआईएम चीफ बोले- हम शोषण के खिलाफ विकल्प

बंगाल चुनाव में ओवैसी और हुमायूं कबीर का गठबंधन

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता में जनता उन्नयन पार्टी के फाउंडर हुमायूं कबीर और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टियों के बीच गठबंधन की घोषणा की। इसके बाद दोनों नेताओं ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को इस बारे में जानकारी दी।

हुमायूं कबीर ने कहा, 'हम पूरे राज्य में 20 रैलियां करेंगे। पहली रैली 1 अप्रैल को बहरामपुर में ओवैसी के साथ होगी।' उन्होंने बताया कि सभी रैलियों का उद्देश्य जनता के बीच जाकर अपनी बात रखना और गठबंधन की ताकत दिखाना है।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'हमारी कोशिश है कि पश्चिम बंगाल में इस चुनाव में मुस्लिम माइनॉरिटी से एक मजबूत लीडरशिप उभरे। हमने तय कर लिया है कि हम कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। यह गठबंधन सिर्फ इस चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे हमारे राजनीतिक मकसद को आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। '

भाजपा बोली- बंगाल में लोग किसी को जल्दी नहीं अपनाते

कोलकाता/चेन्नई। पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के लिएअसदुद्दीन ओवैसी के कोलकाता पहुंचने पर BJP नेता दिलीप घोष ने कहा, ओवैसी लंबे समय से बंगाल में घुसने की कोशिश कर रहे हैं।कई पार्टियां दूसरी जगहों पर सफल हुई हैं, लेकिन बंगाल में लोग किसी को जल्दी स्वीकार नहीं करते। उन्हें काम करना होगा, लड़ना होगा, फिर बंगाल उन्हें स्वीकार करेगा। दरअसल, ओवैसी की पार्टी ने बंगाल में पूर्व टीएमसी नेता हुमांयू कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी से गठबंधन किया है।उधर तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली के थिरुप्पराईथुराई में 50 से ज्यादा परिवारों ने इस बार विधानसभा चुनावों के बॉयकॉट का ऐलान किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले 16 साल से वे बिना बिजली, पानी और टॉयलेट के रह रहे हैं।

धामी बोले-दर्शन कराना हमारी जिम्मेदारी

चारधाम यात्रा: अब तक हुए 10 लाख पंजीकरण

देहरादून, एजेंसी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा में देश दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन कराना हमारी जिम्मेदारी है। अब तक यात्रा के लिए 10 लाख तीर्थयात्री पंजीकरण कर चुके हैं। वहीं गढ़वाल मंडल विकास निगम के विश्राम गृह में पांच करोड़ की एडवांस बुकिंग हो चुकी है।

चारधाम यात्रा की तैयारियों पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा में देश दुनिया से श्रद्धालु आते हैं। 19 अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू हो रही है। सरकार ने 2025 में धामों के कपाट बंद होने के बाद से आगामी चारधाम यात्रा की तैयारियां शुरू कर दी थीं। सड़क, अवस्थापना विकास, आवास, परिवहन व आवास की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बीते वर्ष प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर आपदा के कारण डेढ़ माह तक चारधाम यात्रा बाधित रही। इसके बावजूद पर 51 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। आगामी यात्रा के लिए अब तक 10 लाख श्रद्धालु पंजीकरण कर चुके हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राज्य की भौगोलिक परिस्थिति को देखते हुए यात्रा चुनौतीपूर्ण होती है लेकिन प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षित यात्रा सर्वोच्च प्राथमिकता है। देवभूमि आने वाले सभी श्रद्धालुओं को दर्शन कराना हमारी जिम्मेदारी है। आपदा के पूर्वानुमान की सूचना भी श्रद्धालुओं की दी जाएगी। यात्रा शुरू होने से पहले वे स्वयं भी यात्रा मार्गों पर जाकर व्यवस्था को परखेंगे। चारधाम यात्रा के दौरान सामान्य स्थिति में श्रद्धालुओं की संख्या में कैपिंग को लेकर किसी तरह के निर्देश नहीं दिए गए।

कांग्रेस को खाली करना होगा अकबर रोड वाला दफ्तर, जारी हुआ नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन नेशनल कांग्रेस को 24 अकबर रोड पर स्थित अपना पुराना ऑफिस जल्द ही खाली करना पड़ सकता है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक एस्टेट विभाग ने बुधवार को पार्टी को एक नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें 28 मार्च तक अपना दफ्तर खाली करने का निर्देश दिया गया है। वहीं इंडियन यूथ कांग्रेस के 5 रायसीना रोड स्थित ऑफिस के लिए भी इसी समय सीमा के साथ एक और नोटिस जारी किया गया है। बता दें कि अकबर रोड स्थित यह बंगला 48 सालों तक कांग्रेस पार्टी का मुख्यालय रहा है। पार्टी ने पिछले साल विपक्षी कोटला मार्ग पर अपना नया दफ्तर

'इंदिरा भवन' खोले जाने के बाद भी अकबर रोड परिसर को अभी तक खाली नहीं किया गया है और पार्टी की गतिविधियां अभी भी वहीं से चल रही हैं। कांग्रेस नेताओं ने संकेत दिए हैं कि किसी भी तरह जबरन बेदखली को रोकने के लिए पार्टी शायद अदालत का दरवाजा खटखटाएगी।

इंदौर-देवास सहित कई जगहों पर अफवाह से बिगड़ी बात भीड़ ने खाली किए पेट्रोल टैंक, कई इलाकों में स्टॉक खत्म

इंदौर, दोपहर मेट्रो

शहर में मंगलवार रात इंटरनेट पर फैली एक अफवाह ने कई जगहों पर ईंधन आपूर्ति की पूरी व्यवस्था बिगाड़ दी है। वैश्विक परिस्थितियों के कारण पेट्रोल-डीजल की किल्लत होने की झूठी खबर के चलते बीती रात से ही पेट्रोल पंपों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इसका नतीजा यह हुआ कि बुधवार सुबह शहर के कई प्रमुख पंपों पर स्टॉक पूरी तरह खत्म हो गया।

एबी रोड स्थित रसोमा चौराहे के रघुनाथ पंप, लक्ष्मी पंप और पलासिया क्षेत्र सहित कई इलाकों में पेट्रोल-डीजल उपलब्ध नहीं होने के कारण वाहनों के पहिये थम गए हैं। हालांकि, पंप संचालकों ने स्पष्ट किया है कि शहर में

ईंधन की कोई कमी नहीं है, केवल अचानक बढ़ी अत्यधिक खपत के कारण स्टॉक जीरो हुआ है।संचालकों के अनुसार, दोपहर तक तेल के टैंकर पहुंचने की संभावना है, जिसके बाद वितरण कार्य फिर से सुचारू रूप से शुरू कर दिया जाएगा। देवास में सुबह से पेट्रोल पंप पर कतार देखने को मिली। लोग अधिक मात्रा में पेट्रोल-डीजल ले रहे। ग्रामीण अंचल में किसानों का आरोप है कि उन्हें पर्याप्त डीजल नही मिल पा रहा। प्रशासन का दावा है कि स्टॉक पर्याप्त है। लोग अफवाहों से बचें। मंगलवार देर रात एसपी ने शहर के पेट्रोल पंप पहुंचकर स्थिति देखी। पंप संचालकों से बात भी की। उन्होंने लोगों को पैनिक न होने की समझाइश दी।

मेट्रो एंकर

पिता हाथ जोड़कर बोले- कोई रोना मत, अंगदान से 6 को मिलेगी नई जिंदगी

13 साल की दर्द भरी जंग खत्म: हरीश राणा को दी अंतिम विदाई

दिल्ली/गाजियाबाद, एजेंसी

इच्छामृत्यु पाने वाले गाजियाबाद के हरीश राणा का आज अंतिम संस्कार किया गया। दिल्ली के ग्रीन पार्क श्मशान घाट में सुबह 9.40 बजे छोटे भाई आशीष ने मुखाग्नि दी। इससे पहले, हरीश का पार्थिव शरीर श्मशान घाट लाया गया। पिता अशोक राणा (62) ने बेटे हरीश को आखिरी बार प्रणाम किया। पिता ने रोते हुए लोगों के सामने हाथ जोड़े और कहा कोई रोना मत। बेटा शांति से जाए, इसलिए प्रार्थना कर रहा हूं। बेटा अब जहां जन्म लें, उसे भगवान का आशीर्वाद मिले।

31 साल के हरीश ने कल यानी 24 मार्च को दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली थी। वे 13 साल से कोमा में थे। डॉक्टर्स के मुताबिक, परिवार ने हरीश के फेफड़े, दोनों किडनी और आंखों के कॉर्निया दान

किए हैं। इससे छह लोगों को नया जीवन मिलने की उम्मीद है।हरीश को एम्स में पैसिव यूथेनेशिया दिया गया। इसका मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके।

सुप्रीम कोर्ट ने हरीश को 11 मार्च को इच्छामृत्यु की इजाजत दी थी। यह देश का पहला मामला है, जिसमें किसी को इच्छामृत्यु दी गई थी। हरीश को 14 मार्च को गाजियाबाद वाले घर से दिल्ली एम्स में शिफ्ट किया गया। 16 मार्च को हरीश की फीडिंग ट्यूब (खाने की नली) हटा दी थी।

कब क्या हुआ

- » 20 अगस्त 2013: हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल
- » वर्ष 2022: माता-पिता ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की
- » 8 जुलाई 2024: हाई कोर्ट ने इच्छामृत्यु याचिका खारिज की
- » 15 जनवरी 2026: सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा
- » 11 मार्च 2026: सुप्रीम कोर्ट ने इच्छामृत्यु की अनुमति दी
- » 14 मार्च 2026: हरीश को एम्स, दिल्ली में भर्ती कराया गया
- » 24 मार्च 2026: एम्स में निधन

बांग्लादेश नरसंहार दिवस

पीएम बोले- 1971 हत्याकांड था सुनियोजित कत्लेआम

ढाका। बांग्लादेश में 25 मार्च को मनाए जाने वाले नरसंहार दिवस पर प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 1971 के हत्याकांड को सुनियोजित नरसंहार बताते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 25 मार्च 1971 का दिन बांग्लादेश के इतिहास में सबसे काले और क्रूर दिनों में से एक है, जब पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' के नाम पर निहत्थे नागरिकों पर हमला किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि उस रात ढाका विश्वविद्यालय, पिलखाना और राजारबाग पुलिस लाइंस समेत कई जगहों पर शिक्षकों, बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं। इस हमले में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई।उन्होंने इसे पूरी तरह से पूर्व नियोजित कत्लेआम बताते हुए कहा कि उस समय की राजनीतिक परिस्थितियों और नेतृत्व की भूमिका पर आज भी शोध की जरूरत है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564